हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–276 : जौनपुर, शनिवार 08 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

आज देश विकास और विरासत साथ लेकर चल रहा है : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोदी ने कहा कि गीता प्रेस विश्व का ऐसा एकलौता प्रिंटिंग प्रेस है, जो सिर्फ एक संस्था नहीं बल्कि एक जीवंत आस्था है। गीता प्रेस का कार्यालय करोड़ों लोगों के लिए किसी मंदिर से जरा भी कम नहीं है। इसके नाम और काम में भी गीता है। जहां गीता है वहां साक्षात् कृष्ण भी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गोरखपुर का दौरा किया और गीता प्रेस गोरखपुर के शताब्दी समारोह के समापन समारोह में भाग लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार का मेरा गोरखपुर का दौरा विकास भी–विरासत भी की नीति का अद्‌भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गीता प्रेस के इस कार्यक्रम के बाद मैं गोरखपुर रेलवे स्टेशन जाऊंगा। आज से ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का काम भी शुरू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन ने देश के मध्यम वर्ग को सुविधा और सहुलियत की एक नई उड़ान दी है। आज देश के कोने–कोने से नेता मुझे चिट्ठियां लिखकर कहते हैं कि हमारे क्षेत्र से भी वंदे भारत ट्रेन चलाइए। ये वंदे

गीता प्रेस एक संस्था नहीं, जीवंत आस्था है

भारत का क्रेज है।मोदी ने कहा कि गीता प्रेस विश्व का ऐसा एकलौता प्रिंटिंग प्रेस है, जो सिर्फ एक संस्था नहीं बल्कि एक जीवंत आस्था है। गीता प्रेस का कार्यालय करोड़ों लोगों के लिए किसी मंदिर से जरा भी कम नहीं है। इसके नाम और काम में भी गीता है। जहां गीता है वहां साक्षात् कृष्ण भी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार भी दिया है। गांधी जी का गीता प्रेस से भावनात्मक जुड़ाव था। एक समय में गांधी जी कल्याण पत्रिका के माध्यम से गीता प्रेस के लिए लिखा करते थे। मुझे बताया गया कि गांधी जी ने ही सुझाव दिया था कि कल्याण पत्रिका में विज्ञापन न छापे जाएं। कल्याण पत्रिका आज भी गांधी जी के सुझाव का शत प्रतिशत अनुसरण कर रही है। मोदी ने कहा कि इसके नाम में भी और काम में भी गीता है और जहां गीता है वहां साक्षात कृष्ण है। जहां कृष्ण है वहां करुणा भी है, कर्म भी है। वहां ज्ञान का बोध भी है और विज्ञान का शोध भी है। उन्होंने कहा कि 1923 से गीता प्रेस की लौ मानव जाति का पथ आलोकित कर रही है। इस मानवीय मिशन के शताब्दी समारोह का गवाह बनना हमारे लिए बड़े सम्मान की बात है। मोदी ने कहा कि गीता प्रेस जैसी संस्था सिर्फ धर्म और कर्म से ही नहीं जुड़ी है बल्कि इसका एक राष्ट्रीय चरित्र भी है। गीता प्रेस भारत को जोड़ती है, भारत की एकजुटता को सशक्त करती है। गीता प्रेस अलग–अलग भाषाओं में भारत के मूल चिंतन को जन–जन तक पहुंचाती है। गीता प्रेस एक तरह से श्एक भारत–श्रेष्ठ भारतश की भावना का प्रतिनिधित्व करती है।प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समय गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर अपनी विरासत पर गर्व करने का है। आज एक ओर भारत डिजिटल टेक्नोलॉजी में नए रिकॉर्ड बना रहा है। तो साथ ही, सदियों बाद काशी में विश्वनाथ धाम का दिव्य स्वरूप भी देश के सामने प्रकट हुआ है।

चलती ट्रेन में लगी आग, फलकनुमा एक्सप्रेस की तीन बोगियां खाक

नयी दिल्ली। जानकारी के मुताबिक घटना सुबह करीब 11रू30 बजे हैदराबाद से करीब 50 किलोमीटर दूर बोम्मईपल्ली में पगड़ीपल्ली रेलवे स्टेशन के पास हुई। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है, लेकिन आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं लग पाया है।शुक्रवार सुबह तेलंगाना के नलगोंडा के पास सिकंदराबाद–हावड़ा फलकनुमा एक्सप्रेस के तीन डिब्बों में आग लग गई। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे हैदराबाद से करीब 50 किलोमीटर दूर बोम्मईपल्ली में पगड़ीपल्ली रेलवे स्टेशन के पास हुई। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है, लेकिन आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं लग पाया है। हालांकि, यात्रियों में अफरातफरी मच गई थी। जानकारी मे बताया गया है कि तीन डिब्बों, एस 4, एस 5 और एस 6 में आग लग गई और सभी यात्रियों को तुरंत ट्रेन से उतार दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, "आग बुझने के बाद ट्रेनों को रद्द करने और वैकल्पिक मार्गों पर विचार किया जाएगा।

सदन की कार्यवाही बाधित करने पर पांच विधायक निलंबित, विपक्ष का वॉकआउट

एजेंसी

नयी दिल्ली। विपक्षी दल के नेता अनिमेष देबबर्मा ने त्रिपुरा बागबासा विधानसभा के भाजपा विधायक जादव लक नाथ द्वारा पोर्न फिल्म देखने के मुद्दे पर सवाल उठाया। नाथ को इस साल मार्च में पिछले विधानसभा सत्र के दौरान कथित तौर पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़ा गया था।सदन की कार्यवाही में श्बाधाश डालने के आरोप में शुक्रवार को त्रिपुरा विधानसभा से पांच विधायकों को निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। बताया गया कि आज विधानसभा सत्र के दौरान बीजेपी और टिपरा मोथा पार्टी के विधायकों के बीच हंगामा हो गया। विपक्षी दल के नेता अनिमेष देबबर्मा ने त्रिपुरा बागबासा विधानसभा के भाजपा विधायक जादव लक नाथ द्वारा पोर्न फिल्म देखने के मुद्दे पर सवाल उठाया। नाथ को इस साल मार्च में पिछले विधानसभा सत्र के दौरान कथित तौर पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़ा गया था। सदन के अध्यक्ष ने कुछ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के बाद उनसे बात करने की बात कही, लेकिन विपक्षी दलों के विधायकों ने हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी। सदन से हंगामा करने वाले पांच विधायकों को निलंबित कर दिया गया। इसका अक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में एक व्यक्ति मेज पर चढ़कर नारेबाजी करते हुए दिखाई दे रहा है। विपक्षी नेता सभी 27 विपक्षी विधायकों के साथ सदन के वेल में आ गए।

उन्होंने नाथ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगाए और 40 मिनट तक इसे जारी रखा। विरोध से व्यथित होकर मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने विधानसभा अध्यक्ष से बजट सत्र के दौरान सदन की मर्यादा को भंग करने और उसे कमजोर करने के लिए पांच विपक्षी विधायकों को सत्र से निलंबित करने का अनुरोध किया।विधानसभा अध्यक्ष विश्वबंध सेन ने सदन में ष्गड़बड़ी पैदा करनेष के लिए सीपीआई (एम) विधायक नयन सरकार, कांग्रेस के सुदीप रॉय बर्मन और तीन टिपरा मोथा विधायकों को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया। टिपरा मोथा के तीन निलंबित विधायक बृस्वकेतु देबबर्मा, नंदिता रियांग और रंजीत देबबर्मा हैं। फैसले का विरोध करते हुए, कांग्रेस के दो विधायकों को छोड़कर पूरा विपक्ष सदन से बाहर चला गया, जो बाद में तब सदन से चले गए जब स्पीकर ने अपना फैसला वापस लेने से इनकार कर दिया।

पंकजा मुंडे पर बोले देवेन्द्र फडणवीस, वह राष्ट्रीय स्तर की नेता, पार्टी के वरिष्ठ लोग उनसे बात करेंग

एजेंसी

नयी दिल्ली। अपने बयान में फडणवीस ने कहा कि पंकजा मुंडे बीजेपी की राष्ट्रीय सचिव और वरिष्ठ नेता हैं। उनके अपने निजी विचार हैं। खासकर एनसीपी के हमारे साथ आने के बाद। इसके साथ ही कि

नहोंने कहा कि यह सही है कि हमारे लोगों का एनसीपी के साथ झगड़ा हुआ है और वे सभी इसे एक दिन में स्वीकार नहीं कर सकते।पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि बीजेपी की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे कांग्रेस में शामिल होंगी। लेकिन आज पंकजा मुंडे ने कहा है कि ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं, राज्य के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेन्द्र फडणवीस ने उन चर्चाओं पर टिप्पणी की है कि पंकजा मुंडे पार्टी से नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि पंकजा ताई हमारी राष्ट्रीय सचिव हैं। उनसे चर्चा करें और कोई रास्ता निकालें। चूंकि वह राष्ट्रीय स्तर की नेता हैं, इसलिए वरिष्ठ नेता उनसे चर्चा करेंगे। अपने बयान में फडणवीस ने कहा कि पंकजा मुंडे बीजेपी की राष्ट्रीय सचिव और वरिष्ठ नेता हैं। उनके अपने निजी विचार हैं। खासकर एनसीपी के हमारे साथ आने के बाद। इसके साथ ही कि नहोंने कहा कि यह सही है कि हमारे लोगों का एनसीपी के साथ झगड़ा हुआ है और वे सभी इसे एक दिन में स्वीकार नहीं कर सकते। पार्टी के वरिष्ठ नेता पंकजा मुंडे से बात करेंगे और मुझे विश्वास है कि वह हमारी पार्टी के साथ काम करेंगी। हम उनसे जरूर संपर्क करेंगे। आइए जानें उनके मन में क्या है। हम और हमारे साथ आए लोग यह नहीं समझते कि इसे हर कोई पसंद करेगा या समझेगा. तो ऐसी स्थिति में संचार ही एक रास्ता है। भाजपा के कद्दावर नेता रहे गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा ने कहा कि कुछ दिन पहले एक खबर आई थी कि मैं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से दो बार मिली हूं और मैं भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं। ऐसी खबरें बिल्कुल झूठी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं शपथ लेती हूं कि मैंने कभी भी किसी भी पार्टी के नेता से उनकी पार्टी में प्रवेश के संबंध में बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि मैंने कभी राहुल गांधी या सोनिया गांधी को व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं चौनल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने जा रही हूं।

संजय राउत कर रहे शिंदे सेना में फूट का दावा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधान परिषद की बिजनेस एडवाइजरी बैठक में बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर ने उपाध्यक्ष नीलम गोरे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव वापस लेने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव का समर्थन भाजपा के प्रसाद लाड ने किया।शिवसेना (यूबीटी) पार्टी की पूर्व नेता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नीलम गोरे शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप–मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल हो गईं। महाराष्ट्र विधान परिषद के उपाध्यक्ष गोरे, मनीषा कायंदे और विप्लव बजारिया के बाद पाला बदलने वाले शिवसेना (यूबीटी) के तीसरे एमएलसी बन गई हैं। आज महाराष्ट्र विधान परिषद की बिजनेस एडवाइजरी बैठक में बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर ने उपाध्यक्ष नीलम गोरे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव वापस लेने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव का समर्थन भाजपा के प्रसाद लाड ने किया। यह खबर ऐसे दिन आई है जब शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट के करीब 17–18 विधायक उनके संपर्क में है। राउत ने कहा कि हम यह नहीं कह रहे हैं ।

अहंकारी सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है : प्रियंका गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता का एक अंश उद्धृत करते हुए ट्वीट किया, "समर शेष है, जनगंगा को खुल कर लहराने दो, शिखरों को डूबने और मुकुटों को बह जाने दो, पथरीली ऊंची जमीन है तो उसको तोड़ेंगे, समतल पीटे बिना समर की भूमि नहीं छोड़ेंगे, समर शेष है, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने "मोदी उपनाम" वाली टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की याचिका गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि अहंकारी सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है। प्रियंका ने साथ ही कहा कि जनता के हितों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार साम, दाम, दंड, भेद का सहारा ले रही है। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता का एक अंश उद्धृत करते हुए ट्वीट किया, "समर शेष है, जनगंगा को खुल कर लहराने दो, शिखरों को डूबने और मुकुटों को बह जाने दो, पथरीली ऊंची जमीन है तो उसको तोड़ेंगे, समतल पीटे बिना समर की भूमि नहीं छोड़ेंगे, समर शेष है, चलो ज्योतियों के बरसाते तीर, खण्ड–खण्ड हो गिरे विषमता की काली जंजीर।"प्रियंका गांधी ने कहा, "राहुल गांधी जी इस अहंकारी सत्ता के सामने सत्य और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे

हैं। अहंकारी सत्ता चाहती है कि जनता के हितों के सवाल न उठें, अहंकारी सत्ता चाहती है कि देश के लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने वाले सवाल न उठें, अहंकारी सत्ता चाहती है कि उनसे महंगाई पर सवाल न पूछे जाएं, युवाओं के रोजगार पर कोई बात न हो, किसानों की भलाई की आवाज न उठे, महिलाओं के हक की बात न हो, श्रमिकों के सम्मान के सवाल को न उठाया जाए।" उन्होंने आरोप लगाया, "अहंकारी सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है, जनता के हितों से जुड़े सवालों से भटकाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद, छल, कपटरू सब अपना रही है।लेकिन, सत्य, सत्याग्रह और जनता की ताकत के सामने न तो सत्ता का अहंकार ज्यादा दिन टिकेगा और न ही सच्चाई पर झूठ का परदा।"उनका कहना था कि राहुल गांधी जी ने इस अहंकारी सत्ता के सामने जनता के हितों से जुड़े सवालों की ज्योति जलाकर रखी है। प्रियंका गांधी ने कहा, "इसके लिए राहुल गांधी हर कीमत चुकाने को तैयार हैं और तमाम हमलों व अहंकारी भाजपा सरकार के हथकंडों के बावजूद एक सच्चे देशप्रेमी की तरह जनता से जुड़े सवालों को उठाने से पीछे नहीं हटे हैं। जनता का दर्द बांटने के कर्तव्य पथ पर डटे हुए हैं। सत्य की जीत होगी। जनता की आवाज जीतेगी।"गुजरात उच्च न्यायालय ने मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाने का अनुरोध खारिज कर दिया। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 के मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद राहुल गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। राहुल गांधी 2019 में केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

वसुंधरा और पायलट के बिना राजस्थान की चुनावी गणित अधूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान में जबरदस्त तरीके से सियासी शोर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से राजस्थान को लेकर बैठक चल रही हैं। दोनों के नेता जमीन पर संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक ओर जहां राज्य के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत अपनी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं।देश में सियासी उठापटक का दौर लगातार जारी है। 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन उससे पहले इस साल के आखिर में देश के तीन महत्वपूर्ण राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होंगे। इन तीनों ही राज्यों के चुनाव को भाजपा और कांग्रेस के हिसाब से सेमीफाइनल माना जा रहा है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा और कांग्रेस अपनी चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है। राजस्थान को लेकर भी चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर जहां राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंतर्कलह जारी है। तो वहीं भाजपा भी कई खेमों में बंटी हुई है। राजस्थान में इन्हीं दोनों दलों के बीच मुकाबला रहता है। हर चुनाव में यहां सत्ता परिवर्तन होता रहा है। पिछले ढाई दशकों को देखें तो राजस्थान की कमान या तो भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे ने संभाला है या फिर कांग्रेस की ओर

से अशोक गहलोत रहे हैं।राजस्थान में जबरदस्त तरीके से सियासी शोर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से राजस्थान को लेकर बैठक चल रही हैं। दोनों के नेता जमीन पर संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक ओर जहां राज्य के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत अपनी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं। तो वहीं भाजपा उनकी सरकार की नाकामयाबियों को लोगों के समक्ष बताने में जुटी हुई है। दोनों ओर से शब्द वाण भी चल रहे हैं। हालांकि, दोनों दलों की स्थिति फिलहाल एक समान है, जहां गुटबाजी जबरदस्त तरीके से हावी है। राजस्थान में फिलहाल अशोक गहलोत मुख्यमंत्री हैं। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है। लेकिन 2018 के चुनाव के बाद से लगातार अशोक गहलोत और युवा नेता सचिन पायलट के बीच अदावत देखी गई। दोनों ही नेताओं की ओर से एक दूसरे पर जबरदस्त तरीके से बयानबाजी हुई जिसमें सारी हदें भी पार हो गई। एक वक्त तो ऐसा लग रहा था कि सचिन पायलट पार्टी से बगावत कर सकते हैं। हाल फिलहाल में भी सचिन पायलट लगातार राज्य की अपनी ही गहलोत सरकार को चुनौती देते नजर आ रहे थे। हालांकि, चुनावी नुकसान को भांफते हुए कांग्रेस आलाकमान सक्रिय हुई। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच समझौते की कोशिश हुई। पर्दे के पीछे कितनी बात बन पाई है, इसको बता पाना मुश्किल है, लेकिन पर्दे के सामने से जो बात निकल कर आई है, उसमें कांग्रेस की ओर से साफ तौर पर कहा जा रहा है कि हम एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा ने फिर कहा, राहुल को मांगनी चाहिए मांफी, वह आदतन अपराधी, टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े होते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा की ओर से रविशंकर प्रसाद के एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने राहुल पर ओबीसी समाज के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल आदतन अपराधी हैं और वह टुकड़े–टुकड़े गैंग के साथ खड़े होते हैं।मोदी सरनेम मानहानि मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी है। सेशन कोर्ट के आदेश को राहुल ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। फिलहाल खबर है कि अब राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट का रूख करेंगे। इन सब के बीच भाजपा ने आज एक बार फिर से दोहराया कि राहुल गांधी को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। भाजपा की ओर से रविशंकर प्रसाद के एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने राहुल पर ओबीसी समाज के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल आदतन अपराधी हैं और वह टुकड़े–टुकड़े गैंग के साथ खड़े होते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हम कांग्रेस से पूछना चाहते हैं – आप राहुल गांधी को नियंत्रित क्यों नहीं कर सकते? आप उसे ठीक से बोलने का प्रशिक्षण क्यों नहीं दे पाते? वह आपका नेता है। प्रसाद ने कहा कि अगर उन्होंने इस मामले में माफी मांग ली होती, तो यह खत्म हो गया होता। प्रसिद्ध नेताओं और संगठनों के खिलाफ गाली देना, बदनाम करना और लगभग सबसे खराब तरह की गालियां देना राहुल गांधी की पुरानी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि सावरकर को लेकर राहुल के दिल में नभरत है। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने 2019 के चुनाव में एक टिप्पणी की थी कि सारे चोरों के सरनेम मोदी क्यों होते हैं। देशभर में मोदी सरनेम अधिकांश पिछड़ों और अति पिछड़ों का होता है और ये घोर रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी थी।

लोअर कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा दी, जिसके खिलाफ वह सेशन कोर्ट गए। सेशन कोर्ट ने उन्हें बेल तो दे दी लेकिन बवदअपबजपवद को स्टे नहीं किया। इसके खिलाफ वह गुजरात हाई कोर्ट गए और उनकी कोशिश यही थी कि उनका बवद. अपबजपवद स्टे किया जाए और आज गुजरात हाई कोई ने उनकी इस प्रेयर को रिजेक्ट कर दिया है।बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को आज एक बार फिर झटका लगा। सेशन कोर्ट के बाद गुजरात हाई कोर्ट ने भी उन्हें आईना दिखाया।

सम्पादकीय

बर्बरता की ओर सफर?

यह भारतीय समाज के लिए आत्म–मंथन का विषय है कि आखिर आज ऐसा माहौल कैसे बन गया है, जिसमें प्रभुत्वशाली लोग इतना बेखौफ हो गए हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार की मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस बात का श्रेय दिया जाएगा कि उन्होंने मानवता को शर्मसार करने वाली घटना पर दलगत भावना से ऊपर उठ कर तुरंत श्कठोरतम्य कार्रवाई का आदेश दिया। नतीजतन मंगलवार रात असभ्यता और क्रूरता की मिसाल बने उस भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसने सरेआम एक आदिवासी नौजवान पर पेशाब किया था। उस पर कानूनी सख्त धाराएं लगाई गई हैं, इसलिए यह उम्मीद रखनी चाहिए कि यह सिर्फ फौरी और दिखावटी कार्रवाई नहीं है। बहरहाल, यह वर्तमान भारतीय समाज– और खासकर सत्ताधारी दल और उसके सहमना संगठनों के लिए आत्म–मंथन का विषय है कि आखिर आज समाज में ऐसा माहौल कैसे बन गया है, जिसमें प्रभुत्वशाली लोग इतना बेखौफ हो गए हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार की मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती? तमाम पुरातन समाजों की तरह भारतीय पारंपरिक समाज में भी वर्चस्व और मजबूत लोगों के लिए निर्भय होकर किसी प्रकार का व्यवहार करने का सिस्टम रहा है।

सभ्यता के विकास के साथ इस तरह के बर्बर व्यवहारों पर लगाम लगाने के प्रयास किए गए। कानून का राज करने और संविधान को सर्वोपरि बनाने की कोशिशें इसी मकसद का हिस्सा रही हैं। लेकिन गुजरे कुछ वर्षों में खुद सत्ता में बैठे लोगों ने कानून के राज का अनादर करने जैसी नीतियां अपना रखी हैं। इससे यह संदेश गया है कि अगर आप सत्ता पक्ष के साथ हैं और आपका संबंध प्रभुत्वशाली वर्ग से है, तो आप निर्भय होकर कोई भी व्यवहार कर सकते हैं। ताजा घटना के सिलसिले में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अपराधी का कोई धर्म, जाति या पार्टी नहीं होती। उनसे अपेक्षित है कि यही बात वे किसी मुस्लिम अपराधी के संदर्भ में भी कहें। किसी एक व्यक्ति के अपराध के पूरे समुदाय को लांछित करने की चल रही प्रवृत्ति का विरोध उनके जैसे ऊंचे पदों पर बैठे लोग हर स्थिति में करें, तो भारतीय समाज में आ रही वैसी गिरावटों पर रोक लग सकती है, जिसकी एक मिसाल फिलहाल मध्य प्रदेश में देखने को मिली है। वरना, सभ्यता से बर्बरता की तरफ हो रही यात्रा को रोकना कठिन बना रहेगा।

जनजातियों के बीच सक्रिय देश विरोधी ताकतों के षडयंत्र से सुलग रहा मणिपुर

हरेंद्र प्रताप

मणिपुर के पूरे विवाद को समझने के लिए असम का अध्ययन आवश्यक है। वर्ष 2011 की जनगणना में असम में जनजातियों और ईसाइयों की कुल आबादी क्रमश 3884371 और 1165867 थी। ईसाइयों की कुल आबादी में ईसाई बने जनजाति बंधुओं की संख्या मात्र 495379 थी। यानी राज्य में गैर–जनजाति जनजाति बंधुओं से ज्यादा संख्या में ईसाई बने हैं। मैती समाज के कारण ही इस प्रांत का नाम मणिपुर पड़ा है।पूर्वोत्तर के ईसाईकरण का दुष्परिणाम, जनजातियों के बीच सक्रिय देश विरोधी ताकतों के षड्यंत्र से सुलग रहा मणिपुरमणिपुर में दो महीने से चल रही हिंसा धीरे–धीरे खत्म हो रही है। गत दिनों पहली कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक के स्कूल फिर से खुल गए। हालांकि इंटरनेट सेवाओं पर रोक अभी जारी है। माना जा रहा है कि राज्य में पूरी तरह शांति और सार्वजनिक व्यवस्था के सुचारु होने में थोड़ा और वक्त लगेगा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राज्य में इस हिंसा और अराजकता के पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने की बात कही है। इसे समझने के लिए हमें उत्तर में ईसाई बहुल नगालैंड, दक्षिण में ईसाई बहुल मिजोरम और पश्चिम में असम के डिमाहासो जिले से सटे ईसाई बहुल मेघालय से घिरे मणिपुर को संपूर्णता में जानने की आवश्यकता है।डिमाहासो जिले की कचारी जनजाति को छोड़ दें तो नगा–कुकी और हमर जनजाति का ईसाईकरण पूरा हो चुका है। पूर्वोत्तर के आठ राज्यों–सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और असम में से नगालैंड में 86.47 प्रतिशत, मिजोरम में 94.43 प्रतिशत और मेघालय में 86.14 प्रतिशत जनजातिध्आदिवासी हैं। जनजाति बहुल ये तीनों प्रदेश अब ईसाई बहुल हो गए हैं।वर्ष 1951 में नगालैंड और 1971 तक मेघालय ईसाई बहुल नहीं थे। मणिपुर में 40.87 प्रतिशत आबादी जनजाति है और यहां ईसाइयों की जनसंख्या 41.28 प्रतिशत है। अरुणाचल में 68.78 प्रतिशत आबादी जनजाति है और यहां ईसाइयों की जनसंख्या 30.26 प्रतिशत ही है। वर्ष 2011 की जनगणना में मणिपुर के नौ में से पांच जिले ईसाई बहुल और चार जिले हिंदू बहुल थे। राज्य की कुल 28,55,794 जनसंख्या में से ईसाइयों की आबादी 11,79,043 थी। इस ईसाई जनसंख्या में जनजातियों की आबादी 11,67,422 थी। यानी राज्य की कुल ईसाई जनसंख्या में 96.46 प्रतिशत जनजाति समाज के लोग थे।मणिपुर के पूरे विवाद को समझने के लिए असम का अध्ययन आवश्यक है। वर्ष 2011 की जनगणना में असम में जनजातियों और ईसाइयों की कुल आबादी क्रमशरू 38,84,371 और 11,65,867 थी। ईसाइयों की कुल आबादी में ईसाई बने जनजाति बंधुओं की संख्या मात्र 4,95,379 थी। यानी राज्य में गैर–जनजाति जनजाति बंधुओं से ज्यादा संख्या में ईसाई बने हैं। सवाल है कि अगर गैर जनजातिध्आदिवासी असम में ईसाई बन सकते हैं तो मणिपुर में ऐसा क्यों नहीं हो रहा? जाहिर है पूर्वोत्तर में ईसाईकरण की तेज रफ्तार को मणिपुर में अगर कोई रोक रहा है तो वह है वहां का मैती समाज। मैती समाज के कारण ही इस प्रांत का नाम मणिपुर पड़ा है। वर्ष 1961 की जनगणना में राज्य में मैती को अपनी मातृभाषा लिखवाने वालों की संख्या 64.46 प्रतिशत थी, जो 2011 में घटकर 53.29 प्रतिशत रह गई। जिस प्रकार असम में असमिया भाषी अल्पमत में चले गए उसी प्रकार मणिपुर में भी मैती भाषी लोगों के अल्पमत में जाने का खतरा उत्पन्न हो रहा है। वर्ष 1961 में असम में 62.35 प्रतिशत लोगों ने असमिया को अपनी मातृभाषा लिखवाया था, जो 2011 में घटकर 46.81 प्रतिशत रह गए।वर्ष 1961 में मणिपुर की कुल जनसंख्या में 31.92 प्रतिशत जनजातिध्आदिवासी थे, जो 2011 में बढ़कर 40.87 प्रतिशत हो गए। विगत पांच दशकों में राष्ट्रीय स्तर पर जनजातियों की जनसंख्या वृद्धि दर 249.89 प्रतिशत तो मणिपुर में 368.75 प्रतिशत रही। वर्ष 1961 की जनगणना में मणिपुर में 28 प्रकार की जनजातियों का उल्लेख है, पर 2011 में 33 प्रकार की जनजातियों का उल्लेख मिलता है।उदाहरण के लिए पुमाई नागा का उल्लेख वर्ष 1961 में नहीं था, पर 2011 में इसका उल्लेख है। इनकी आबादी 1,27,381 है। वर्ष 1961 की जनगणना में सुहते, तराव, खरम जनजाति का भी उल्लेख नहीं था, लेकिन 2011 में इनका उल्लेख है। ये कहां से आए? साफ है मणिपुर में आसपास के राज्यों से ईसाई बन गए जनजाति बंधुओं को एक योजना के तहत भेजा जा रहा है।वास्तव में पूर्वोत्तर के राज्यों में सक्रिय सशस्त्र अलगाववादी समूह पहले से ही भारत के एक और विभाजन की योजना बनाकर काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर मुस्लिम बहुल इलाके भारत से कट सकते हैं तो ईसाई बहुल क्यों नहीं? इसी के चलते आवागमन की कठिनाइयों और औद्योगीकरण के अभाव में वहां अलगाववाद की हिंसक राजनीति फलती–फूलती रही। विकसित ईसाई देशों की तरह अपने क्षेत्र को विकसित देखने की चाह में भटकाव को गति मिलती रही। रही–सही कसर एक पूर्व प्रधानमंत्री के बयान ने पूरी कर दी कि पूर्वोत्तर का शासन ईसाइयत के सिद्धांत पर आधारित होगा। इससे अलगाववादियों का दुस्साहस बढ़ गया। भारतीय एवं राष्ट्रभाव को समर्पित लोग पूर्वोत्तर में सेवा कार्य भी नहीं करें, इसके लिए उनके प्रवेश को रोकने की साजिश रची गई। यहां तक कि वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों की हत्या तक कर दी गई।

यूपी में पहले मंत्री की भैंस खोजी जाती थी, अब कमिश्नर का कुत्ता ढूँढ़ा जाता है

अशोक मधुप

अभी झांसी के एक भवन में आग लगने से चार व्यक्ति जिंदा जल कर मर गए। आग इतनी जबरदस्त थी कि सेना को बुलाना पड़ा। प्रदेश के अग्निशमन के तो उपकरणों ने काम ही नहीं किया। इस भवन का एक ही द्वार था। प्रश्न यह है कि इस भवन का नक्शा कैसे पास हो गया।उत्तर प्रदेश में यह योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का दूसरा कार्यकाल है। भाजपा सरकार के पहले और वर्तमान कार्यकाल का लेखा.जोखा किया जाए तो सिर्फ इतना ही कहा जा सकता कि पहले सपा सरकार में पुलिस और प्रशासनिक तंत्र तत्कालीन मंत्री आजम खान की चोरी हुई भैंस ढूंढ़ता था, अब प्रशासनिक अमला मेरठ के कमिश्नर का खोया कुत्ता ढूंढ़ता है। इतना परिवर्तन हुआ है कि सपा–बसपा सरकारों में मंत्री हावी थे। आज अधिकारी हावी हैं। ये अधिकारी किसी की सुनते नहीं। इन पर कोई लगाम नहीं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ईमानदारी और प्रशासनिक क्षमता को कोई मुकाबला नहीं। बेईमानी उन्हें बर्दाश्त नहीं। बेईमानी की शिकायत मिलते ही वह जांच कराकर कार्रवाई करते हैं। प्रदेश में माफियाओं पर की गई कार्रवाई पूरी दुनिया के लिए नजीर बन गई है। प्रदेश में माफिया खत्म ही नहीं हुए, उनके द्वारा अर्जित संपत्ति सरकार ने जब्त कर ली, उनके अवैध रूप से बने भवन जमींदोज करा दिये गए। अपराधी उनके कार्यकाल में अपनी जान बख्शने की अपील करने के लिए खुद हाथ उठाकर थाने चले आते हैं, प्रदेश में दंगे होने बंद हो गए। कोरोना का संकट हो या अन्य कोई प्राकृतिक आपदा, योगी जी के नेतृत्व में सबका बहुत अच्छे से मुकाबला किया गया है। प्रदेश के धार्मिक स्थलों से एक साथ, एक झटके में लाउडस्पीकर उतर गए। अब न सड़कों पर नमाज होती है, न हनुमान चालीसा। प्रदेश में सरकारी सुविधाओं का लाभ सबको समान रूप से मिल रहा है। कोई दुराव नहीं, कोई भेद नहीं। आजकल फ्रांस में दंगे भड़के हुए हैं। हालात सरकार के काबू से बाहर हैं। ऐसे में ट्विटर पर प्रो. एन जॉन कैम नाम के शख्स ने ट्वीट किया, ष्भारत को फ्रांस में दंगों की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वहां भेजना चाहिए। वह 24 घंटे के भीतर दंगों को रोक देंगे। ये ट्वीट योगी आदित्यनाथ की क्षमता और प्रशासनिक कुशलता बताने के लिए काफी है। उनकी क्षमता और कार्यप्रणाली लाजवाब है, पर अमला तो वही पुराना है। व्यवस्था सब वैसी ही है।योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बावजूद प्रदेश में प्रशासनिक तंत्र बेकाबू है। पुलिस में संवेदनाएं नहीं हैं। भाजपा नेताओं, विधायकों और मंत्रियों पर अधिकारी हावी हैं। इसीलिए भ्रष्टाचार कम होने की जगह बढ़ा है। मेरठ की कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे. का साइबेरियन हस्की ब्रीड का डॉगी 25 घंटे बाद मिल गया। पशु कल्याण विभाग और नगर निगम की टीमें डॉगी की तस्वीर को लेकर घर–घर जाकर पूछताछ कर रहीं थीं। डॉगी को कमिश्नर आवास से करीब दो किलोमीटर दूर पांडव नगर से बरामद किया गया। ये कमिश्नर का कुत्ता था इसलिए प्रशासनिक अमला दौड़ता रहा। आम आदमी की बेटी लापता हो जाए तो किसी को परेशानी नहीं होती, किसी को ये ख्याल नहीं आता कि वह बच्ची किस हाल में होगी। आम आदमी के घर चोरी हो जाए तो उसकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं होती। योगी आदित्यनाथ संवेदनशील हैं। जरा सी बात को गंभीरता से लेते हैं किंतु उनका तंत्र.प्रशासनिक अमला बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। मानवीय संवेदनाएं उसमें नजर नहीं आतीं। पीलीभीत में एक नाबालिग लड़की को तीन लड़के उठा ले गए। एक लड़के ने रेप किया। बच्ची के पिता चाहते थे कि आरोपियों पर कार्रवाई हो, लेकिन पुलिस कार्रवाई की बजाय समझौते पर जोर दे रही थी। एक हफ्ते बाद युवती के पिता ने आत्महत्या कर ली। ठीक इसी तरह जालौन में बेटी के साथ रेप हुआ। वह प्रेग्नेंट हो गई। पीड़िता के मजदूर पिता केस दर्ज करवाने गए तो पुलिस ने उल्टा केस करने की धमकी दी। घर आए और आत्महत्या कर ली।

एक हफ्ते पहले अमरोहा में एक किसान और लखनऊ के मलिहाबाद में एक युवक ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली से परेशान होकर सुसाइड को चुन लिया। इन चार केस के अलावा पांचवां केस सीतापुर से है। यहां रेप पीड़िता ने फांसी लगा ली। कुल मिलाकर 25 दिन के अंदर एक रेप पीड़िता, दो रेप पीड़िताओं के पिता, एक प्रतियोगी छात्र और एक किसान ने आत्महत्या की। कहीं पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगा तो कहीं 50 हजार रुपए मांगने का मामला सामने आया। आमतौर पर पुलिस की कोशिश मामले को निपटाने में रहती है।फिलहाल इन पांच मामलों में चार मामले ऐसे थे जो पुलिस की जानकारी में थे। इसके बावजूद उन्होंने समय पर कार्रवाई नहीं की। इसकी वजह से पीड़ित पक्ष ने सुसाइड किया। इन चारों मामलों में पुलिस प्रशासन की किरकिरी हुई तो संबंधित अधिकारी को निलंबित किया गया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। बिजनौर जनपद के धामपुर थाना क्षेत्र के गांव सरकड़ा की एक महिला ने विद्युत निगम के जेई की हरकतों से तंग आकर जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। इससे पहले गांव के लोगों ने कोतवाल से मिल कर आरोपी जेई सहित दो कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में नामजद तहरीर दे दी थी। पर पुलिस की ओर से आरोपियों पर रिपोर्ट कायम कर कार्रवाई नहीं हुई। बकौल ग्रामीण, ऐसे में जेई अपने लोगों को पीड़िता के घर भेज कर समझौता करने का अनर्गल दबाव बनाने का प्रयास कर रहा था। कई दिन से महिला के घर जेई के लोग जाकर जबरन दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे। अभी झांसी के एक भवन में आग लगने से चार व्यक्ति जिंदा जल कर मर गए। आग इतनी जबरदस्त थी कि सेना को बुलाना पड़ा। प्रदेश के अग्निशमन के तो उपकरणों ने काम ही नहीं किया। इस भवन का एक ही द्वार था। प्रश्न यह है कि इस भवन का नक्शा कैसे पास हो गया। यदि नक्शा पास नहीं हुआ तो भवन बन कैसे गया। लखनऊ में पिछले दिनों हजरतगंज के चार सितारा होटल लेवाना सुइट्स में आग में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गई। 16 लोग घायल हो गए। बाद में जांच हुई तो पता चला कि यह होटल बिना अनुमति के बना है। ये ही नहीं कई होटल बिना अनुमति चलते मिले। कहीं भी जांच करा लीजिए। नीचे सारा घालमेल है। कोई सुनने वाला नहीं। योगी आदित्यनाथ ने जबसे अधिकारियों से कहा है कि किसी की मत सुनिए। सही करिए, तब से तो मामला और आगे बढ़ गया। पहले अधिकारी सत्ताधारी पार्टी के नेताओं, विधायक सांसद से डरता था, अब यह सब खत्म हो गया। शोर मचने पर प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी के नेताओं में समन्वय के लिए जिलों में कार्डिनेटर बनाने पड़े। पर पटरी से उतरे प्रशासनिक अमले पर कोई फर्क नहीं पड़ा।सरकार का दबाव प्रदेश के विकास पर है। उद्योग लगाने पर है। जब उद्योग लगते हैं तो अधिकारी मुंह फैलाकर खड़े हो जाते हैं। पर प्रायः एनओसी देने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क के बिना कुछ करने को तैयार नहीं। सरकारी तंत्र की क्या हालत है, यह बताने के लिए प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की ये प्रतिक्रिया काफी है। उन्होंने बुधवार को राजस्व वसूली की कमी पर पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऊपर से नीचे तक विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। सरकार की मंशा भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की है, छोटे उपभोक्ताओं व गरीबों पर वसूली एवं जांच के नाम पर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है, जबकि बड़े बकायेदारों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने विभागीय अफसरों एवं कर्मचारियों को धृतराष्ट्र बताया।

समीक्षा के दौरान आक्रोशित ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि बिजली विभाग में कोई भी कार्य जिम्मेदारी के साथ व्यवस्थित तरीके से नहीं हो रहा है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेदारी के प्रति आंखें बंद किए हुए हैं। वे धृतराष्ट्र बने हुए हैं। ये टिप्पणी बिजली विभाग के बारे में विभागीय मंत्री की है, वैसे सभी विभागों का हाल एक ही जैसा है। सभी विभागों का ढर्रा एक–सा ही है। प्रदेश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए योगी आदित्यनाथ को रिश्वतखोर और बेइमान अधिकारियों के विरुद्ध भी वैसा ही अभियान चलाना होगा जैसा माफियाओं के विरुद्ध चलाया गया था। आय से अधिक संपत्ति मिलने पर अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज होने के साथ अवैध रूप से अर्जित उनकी और उनके परिवारजनों की संपत्ति भी जब्त की जानी चाहिए। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने आदेश किया था कि सभी अधिकारी अपनी और अपने परिवार जनों की संपत्ति घोषित करें, क्योंकि लगभग सभी इसमें फंस रहे थे, तो सब दब गया। होना यह चाहिए कि आदेश हो कि नौकरी लगने के समय सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी अपने भाई.बहन, मातादृपिता की संपत्ति घोषित करें। अपने सारे बैंक खातों और उनमें जमा रकम की जानकारी दें। यही आदेश कार्यरत सभी विभागों के कर्मचारी और अधिकारी के लिए भी हो। कर्मचारी और अधिकारी की संपत्ति का सारा डाटा आनलाइन होना चाहिए ताकि कोई भी देख ले। ऐसा होता है तो कर्मचारी भ्रष्टाचार करते डरेगा। उस पर कार्रवाई करते भी आसानी होगी। नहीं तो जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा। इसमें कोई अंतर नहीं आने वाला है। फंसने वाले के विरुद्ध ही कार्रवाई होगी। बाकी सब ईमानदार बने रहेंगे।

भाजपा के एजेंडे पर कांग्रेस की दुविधा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर दुविधा में है। इस पर विचार के लिए पार्टी के आला नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें किसी रणनीति पर सहमति नहीं बनी। यह बहुत कमाल की बात है कि भारतीय जनसंघ के जमाने से चले आ रहे भारतीय जनता पार्टी के जितने भी पुराने, महत्वपूर्ण और घोषित मुद्दे रहे हैं उन पर कांग्रेस पार्टी हमेशा दुविधा में रही है या असहज रही है। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि कांग्रेस ने कभी भी उन मुद्दों का खुल कर विरोध नहीं किया है। उलटे ऐसा भी हुआ है कि उन मुद्दों पर आगे बढ़ कर कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि वे भी इस पर अमल करने जा रहे थे या उन्होंने ही इसकी पहल की थी। ध्यान रहे भारतीय जनसंघ और भाजपा के तीन कोर मुद्दे थे और आजादी के समय से चले आ रहे थे। इनमें पहला अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का था। दूसरा, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति का और तीसरा समान नागरिक संहिता का। यह जानना बहुत दिलचस्प है कि कांग्रेस ने इन तीनों मुद्दों का विरोध नहीं किया है, बल्कि दबी जुबान में समर्थन किया है। कांग्रेस ने ऐसा क्यों किया, इस पर चर्चा से पहले यह देखना दिलचस्प होगा कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की क्या प्रतिक्रिया रही थी।

जब अयोध्या की विवादित जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और राम जन्मभूमि मंदिर बनने का रास्ता साफ हुआ तो कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। कांग्रेस ने आधिकारिक बयान में कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करती है। उसने सभी समुदायों से संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और भाईचारे की भावना का पालन करने और शांति व सद्भाव बनाए रखने की अपील की। ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट का बहुत सम्मान करती है, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि यह राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा है और इसका विरोध करना कांग्रेस को व्यापक हिंदू समाज में अछूत बना सकता था। सो, बहुसंख्यक हिंदू समाज का ध्यान रखते हुए कांग्रेस ने फैसले का स्वागत किया। इतना ही नहीं कांग्रेस के नेताओं ने आगे बढ़ कर कहा कि राजीव गांधी के समय मंदिर का ताला खुला था और कांग्रेस ने हिंदुओं को पूजा का अधिकार दिलाया था। इस तरह कांग्रेस ने बहुत दयनीय सा प्रयास किया कि मंदिर निर्माण का श्रेय अकेले भाजपा और नरेंद्र मोदी को नहीं मिलने दिया जाए। हालांकि वह इसमें असफल रही।

इसके बाद आया जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त करने का फैसला। कांग्रेस ने शुरू में इसका विरोध किया लेकिन पार्टी के ही कई नेताओं ने पार्टी लाइन से अलग हट कर इसका समर्थन कर दिया। बाद में कांग्रेस ने भी इस मसले पर चुप्पी साध ली। कांग्रेस का विरोध सिर्फ जम्मू कश्मीर के बंटवारे और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने तक सीमित रह गया। अगस्त 2019 में जब केंद्र ने अनुच्छेद 370 समाप्त करने का फैसला किया तब गुलाम नबी आजाद राज्यसभा में कांग्रेस के नेता थे। उन्होंने इसे राज्य की जनता के साथ विश्वासघात बताया। लेकिन आज वे कहां हैं और अनुच्छेद 370 पर क्या कह रहे हैं वह सबको पता है। कांग्रेस के दूसरे बड़े नेता पी चिदंबरम ने इसका विरोध करते हुए सिर्फ इतना कहा कि अनुच्छेद 370 हटा कर सरकार उन ताकतों को हवा दे रही है, जिन्हें वह नियंत्रित नहीं कर पाएगी। कांग्रेस नेता जनार्दन द्विवेदी, दीपेंद्र हुड्डा, आचार्य प्रमोद आदि ने फैसले का समर्थन किया था। जब इस फैसले के बाद बकौल अमित शाह एक कंकड़ भी नहीं चला तो कांग्रेस पार्टी भी चुप हो गई। उलटे कांग्रेस के नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा कि पिछले 70 साल में जम्मू कश्मीर में कई कानूनी प्रावधान बदल गए हैं। कांग्रेस ने बताया कि अब वहां के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री नहीं कहा जाता है। कांग्रेस ने दावा किया कि वह भी धीरे धीरे अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर रही थी, जबकि भाजपा सरकार ने एक झटके में उसे खत्म कर दिया। अब कांग्रेस अनुच्छेद 370 बहाली की बात नहीं करती है, बल्कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और चुनाव की मांग करती है। इस मामले में भी कांग्रेस के समर्थन का कारण वहीं रहा, जो राम जन्मभूमि मंदिर के मामले में था।

अब तीसरा मामला समान नागरिक संहिता का है और कांग्रेस इसे लेकर भी दुविधा में है। उसको पता है कि राममंदिर और अनुच्छेद 370 की तरह समान नागरिक संहिता का मुद्दा भी देश के बहुसंख्यक हिंदुओं के दिमाग में दशकों से पकता रहा है और बहुसंख्यक हिंदू इस बात से सहमत हैं कि सबके लिए एक कानून होना चाहिए। उनको पता नहीं है कि विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने और संपत्ति के बंटवारे का एक जैसा कानून होने से उनको क्या नफा–नुकसान है। लेकिन उनको समझाया गया है कि इससे मुसलमानों में बहुविवाह रूक जाएगा और फिर जनसंख्या नियंत्रण आसान हो जाएगा और फिर हिंदू सुरक्षित हो जाएंगे। अपने देश में उनके अल्पसंख्यक हो जाने का कथित खतरा समाप्त हो जाएगा। सो, इसका विरोध करना कांग्रेस के बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं की नजर में हिंदू विरोधी साबित करेगा। दूसरे, संविधान के अनुच्छेद 44 में नीति निदेशक तत्वों में समान नागरिक संहिता की बात कही गई है। इसलिए भी कांग्रेस के सामने यह दुविधा है कि उसके पूर्वजों ने जिसकी जरूरत बताई थी उसका विरोध कैसे करें?

सो, ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस इस मामले में भी राम जन्मभूमि मंदिर और अनुच्छेद 370 जैसे रवैया अपना सकती है। वह अगर खुल कर इसका समर्थन नहीं करती है तो श्नरो वा कुंजरोच किस्म का रुख अख्तियार कर सकती है। यानी दोनों तरह के मैसेज दे सकती है। वह बीच का रास्ता अख्तियार करते हुए इसका विरोध करने की बजाय ऐसे मुद्दों पर जोर देगी, जिससे सरकार असहज होगी और हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग का समर्थन उसको मिलेगा। मिसाल के तौर पर संपत्ति के बंटवारे का मामला है। आदिवासी संस्कृति और मान्यताओं का मामला है। सिख समुदाय की संवेदनशीलता का मामला है। कुल मिला कर कांग्रेस इस मामले में सरकार का खुला विरोध करने की बजाय संभावित बिल की बारीकियों में जाएगी और उसके कुछ प्रावधानों का विरोध करेगी और इसे राजनीतिक एजेंडा बताएगी। पहले दोनों मुद्दों की तरह कांग्रेस के कुछ नेता इसका समर्थन भी करने लगे हैं। हिमाचल सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इसका समर्थन किया है। असल में ये तीनों मुद्दों ऐसे हैं, जिन पर कांग्रेस या कोई भी पार्टी खुल कर विरोध नहीं कर सकती है क्योंकि आजादी के बाद राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के प्रचार की वजह से व्यापक हिंदू समाज में इन्हें लेकर एक धारणा बनी हुई है। उस लोकप्रिय धारणा से अलग हट कर कोई भी लाइन लेना पार्टियों के लिए आत्मघाती होगा। कांग्रेस के सामने इस वजह से भी दुविधा है कि उसको अलग अलग राज्यों में चुनौती दे रही आम आदमी पार्टी ने इसका समर्थन किया और उसकी सहयोगी शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने भी इसका समर्थन किया है। नीतीश कुमार मीडिया के सवाल टाल रहे हैं लेकिन उनका रुख भी समर्थन का ही होगा। सो, कांग्रेस अलग थलग भी नहीं पडना चाहती है और न ओवैसी की लीग में शामिल होने का जोखिम ले सकती है।

सरकार ने क्यों नहीं नौ वर्षों में समान नागरिक संहिता बनवाई?

हरिशंकर व्यास

कैसी बेहूदगी है! नौ वर्षप्रधानमंत्री पद पर रहने के बाद नरेंद्र मोदी अब बात कर रहे हैं कि एक घर, दो कानून नहीं चलेगा!भला उन्हें किसने रोका था, संविधान के इस निर्देशक सिद्धांत (अनुच्छेद44) केसंकल्प में अमल से? दो टूक यहभी सत्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने बार–बार कॉमन सिविल कोड बनाने के लिए कहा है। बकौल खुद नरेंद्र मोदी–सुप्रीम कोर्ट डंडा मारता हैल्लेकिन वोट बैंक के भूखे लोग अड़ंगा लगा रहे हैं! लेकिन हम चाहते हैं!तो रोका किसने और कब था? क्या मोदी सरकार लोकसभा–राज्यसभा में एक देश, एक विधान के कानून प्रस्ताव की मंजूर नहीं करा सकती? क्या राष्ट्रपति उस पर दस्तखत नहीं करेंगे? क्या वैसी कोई बाधा है जैसी पंडित नेहरू जब हिंदू कोड बिल पास करा रहे थे तब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद का मन नहीं मान रहा था?ऐसी कोई बाधा, कोई किंतु–परंतु नरेंद्र मोदी और अमित शाह, भाजपा–संघ–संविधान–सुप्रीम कोर्ट की ओर से नहीं है। एक देश, एक विधान के संकल्प में ही गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई (हालांकि इस मामले में भी कुछ और राज्यों के विशेष दर्जे की धाराओं को हटाए बिना)। राज्य का पुर्नगठन किया। तब क्यों व्यर्थ में अब कानून और व्यवस्था की अलग–अलग असमानताओं, दर्जे को मिटाने में नरेंद्र मोदी और अमित शाह विरोधी दलों व मुसलमानों को ललकार रहे हैं?क्यों नहीं बिना हल्लेबाजी के संसद में सीधे रखें नए कानून का प्रस्ताव और उसे पास करा कर अपने आपको बुनियादी परिवर्तनकारी, प्रगतिशील साबित करें?रूढिवादियों, अंधविश्वासियों व परंपरावादियों पर हथौड़े चलाएं।संविधान से साफ निर्देश है। सुप्रीम कोर्ट ने बार–बार कहा है और सुप्रीम कोर्ट की मौजूदा तासीर में तो समान लिंग में विवाह पर विचार तक की हिम्मत है तो भला समान नागरिक संहिता का कानून बनाने पर क्यों मोदी व भाजपा को विपक्ष पर दोषारोपण करना चाहिए?क्यों मुस्लिम–आदिवासी और कठमुल्ला हिंदू संगठनों की परवाह करनी चाहिए? क्योंकर यह नौटंकी है जो राज्य सरकारों में अलग–अलग प्रस्ताव से नागरिक संहिता बनाने का ढोंग रचा जा रहा है?इसलिए क्योंकि बातें बनाकर, मुसलमान के विरोध का हल्ला बना कर हिंदुओं में इन्हें अपनी वोट राजनीति पकानी है। पूरे देश में हल्ला बना रखा है कि मुसलमान ज्यादा बच्चे पैदा कर रहे हैं। इनकी आबादी को रोकना जरूरी है। इसलिए भारत के हर नागरिक को देश के एक कानून से परिवार–जीवन को एक विधान में, शादी, तलाक, संपत्ति के मामले को एक सांचे में ढालेंगेतभी मुसलमानों की आबादी बढना रूकेगी। मतलब यह कि समान नागरिक संहिता मुसलमान की आबादी को रोकने का ब्रह्मास्त्र है। यदि ऐसा है तो मोदी सरकार ने नौ वर्ष से इस कानून का डंडा हवा में क्यों लटका रखा है? इसका कानून क्यों नहीं बना डाला?इसलिए ताकि मुसलमान, कांग्रेस और विपक्ष के विरोध का हल्ला बने। मीडिया में फिजूल शोर होता रहे और वोट के मामले में हिंदू गोलबंद बना रहे। ओवैसी का विरोध, मुस्लिम संगठनों की हवाबाजी से हिंदू दिल–दिमाग में क्योंकि भभका बनता है तो उन्हें उकसाए रहो और बातें बना कर हिंदुओं को बेवकूफ बनाओ!अपनी गारंटी है कि इसी मॉनसून सत्र में यदि मोदी सरकार नागरिक संहिता बिल रखे और अमित शाह अनुच्छेद 370 जैसी फुर्ती दिखा कर लोकसभा–राज्यसभा में बहस व जवाब दे कर संसद का ठप्पा लगाएं तो जुलाई के महीने में ही राष्ट्रपति के दस्तखत सहित समान नागरिक संहिता कानूनी तौर पर संविधान में स्थान लिए होगी। गारंटी है कि न कांग्रेस इसके खिलाफ वोट करेगी और न आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी या वामपंथी पार्टी!पर ऐसा होगा नहीं? और यदि दिखावे के लिए मोदी सरकार ने संसद में कोई प्रस्ताव रखा भी तो वह चूं–चूं का मुरब्बा होगा। इसलिए कि नरेंद्र मोदी–अमित शाह, भाजपा और संघ को हिंदू वोटों की चिंता पहले है। और इसमें तय मानें कि समान नागरिक संहिता के जो तीन तत्व (विवाह–तलाक–संपत्ति) हैं उसमें हिंदू जीवन की बुनियाद भी फंसी है? सोचें, ईमानदारी से सोचें कि हिंदुओं के सेठ, गुजराती–मारवाड़ी–बनिया–ब्राह्मण–जाट–पिछड़ा–दलित–आदिवासी क्या अपने उत्तराधिकार में संतान, लड़के–लड़की में संपत्ति में बराबर के बंटवारे के नियम–कानून मानेंगे?

बीएसए गोरखनाथ पटेल ने विभिन्न विद्यालयों की आकस्मिक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित कर्मचारियों से मांगा स्पष्टीकरण विद्यालयों में साफ–सफाई के दिया आवश्यक निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कार्यालय महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक के क्रम में उ०प्र० बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा जनपद में संचालित परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण व संचालित कार्यक्रमों की प्रगति के जानकारी के लिये जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल द्वारा शनिवार को विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। प्राथमिक विद्यालय रकसवा तकियाराम वि0क्षे0 जलालपुर जौनपुर के निरीक्षण के दौरान श्रीमती नेहा कुमारी स0अ0 मातृत्व अवकाश पर थीं। विद्यालय में कार्यरत अन्य समस्त शिक्षक/शिक्षिका/शिक्षामित्र उपस्थित पाये गये। विद्यालय में एम0डी0एम0 मीनू के अनुसार बना था। विद्यालय में उपस्थित समस्त शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विद्यालय प्रागण की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने, छात्रों के अधिगत स्तर में वृद्धि लाने, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाने व अध्ययनरत छात्रध्छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।प्रा0वि0 मझगंवा खुर्द वि0क्षे0 जलालपुर जौनपुर के निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित पाये गये। विद्यालय प्रांगण में घास उगी हुई, पानी का ठहरावा पाया गया। जिसके सम्बन्ध में प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि विद्यालय प्रांगण की घास की साफ–सफाई एवं जल भराव के निकासी के कार्य को तीन दिवस के मध्य कराना सुनिश्चित करें। विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विद्यालय प्रांगण की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने, छात्रों के अधिगत स्तर में वृद्धि लाने, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाने व अध्ययनरत छात्रध्छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।प्रा0वि0 आसमानपट्टी वि0क्षे0 केराकत जौनपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित पाये गये। कक्षा 03 के बच्चों से हिन्दी की किताब पढ़ाई गयी जिसमें मात्र 50 प्रतिशत बच्चे ही पढ़ पाये, जिसके सम्बन्ध में प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि बच्चों के अधिगत स्तर में सुधार लाया जाय। विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विद्यालय प्रांगण की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने, छात्रों के अधिगत स्तर में वृद्धि लाने, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाने व अध्ययनरत छात्रध्छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।पू0मा0वि0 आसमानपट्टी वि0क्षे0 केराकत का निरीक्षण किया गया। विद्यालय के उपस्थित पंजिका के अवलोकन से पाया गया कि छत्रसाल सिंह प्र0प्र0अ0 एवं प्रमोद कुमार पाण्डेय स0अ0 बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गये। चन्द्रदीप शुक्ला स0अ0 उपस्थित पाये गये। श्री छत्रसाल सिंह प्र0प्र0अ0 एवं प्रमोद कुमार पाण्डेय स0अ0 को निर्देशित किया जाता है कि अपनी अनुपस्थिति के सम्बन्ध स्पष्टीकरण साक्ष्य सहित खण्ड शिक्षा अधिकारी वि0क्षे0 केराकत जौनपुर के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 03 दिवस के मध्य उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में आपके विरूद्ध नियमानुसार विभागीय नियमों के आलोक में कार्यवाही कर दी जायेगी। विद्यालय में कार्यरत चन्द्रदीप शुक्ला स0अ0 को विद्यालय प्रांगण की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने, छात्रों के अधिगत स्तर में वृद्धि लाने, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाने व अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। प्रा0वि0 जयगोपालगंज वि0क्षे0 केराकत जौनपुर के निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित पाये गये। छात्र नामांकन के सापेक्ष बच्चों के उपस्थित न्यून पायी गयी। जिसके सम्बन्ध में समस्त शिक्षकधशिक्षिका को निर्देशित किया गया कि बच्चों के उपस्थिति शत–प्रतिशत बढ़ाना सुनिश्चित करें। विद्यालय में उपस्थित समस्त शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विद्यालय प्रागण की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने, छात्रों के अधिगत स्तर में वृद्धि लाने, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाने व अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। प्रा0वि0 रामपुर वि0क्षे0 मुफ्तीगंज के निरीक्षण में विद्यालय में कार्यरत शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित पाये गये। कृष्णमोहन शिक्षामित्र 07 जुलाई 2023 से निरीक्षण तिथि तक अनुपस्थित पाये गये। कृष्णमोहन शिक्षामित्र को निर्देशित किया जाता है कि अपने अनुपस्थित के सम्बन्ध स्पष्टीकरण 03 दिवस के मध्य खण्ड शिक्षा अधिकारी वि0क्षे0 मुफ्तीगंज जौनपुर के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। छात्र नामांकन के सापेक्ष बच्चों के उपस्थित न्यून पायी गयी, जिसके सम्बन्ध में समस्त शिक्षकधशिक्षिका को निर्देशित किया गया कि बच्चों के उपस्थिति शत–प्रतिशत बढ़ाना सुनिश्चित करें। विद्यालय में उपस्थित समस्त शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विद्यालय प्रागण की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने, छात्रों के अधिगत स्तर में वृद्धि लाने, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाने व अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।

लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी नृत्य प्रतियोगिता में रहे अव्वल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेंट जोसेफ विद्यालय ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया। लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल फरीदीपुर दुबग्गा की कक्षा 9 की छात्रा अंजली यादव ने नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और कक्षा 10 के छात्र समीर सेन ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हंगामे के चलते क्षेत्र पंचायत की बैठक स्थगित

लखनऊ। ब्लॉक सभागार में बृहस्पतिवार को आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में योजनाओं पर चर्चा के दौरान सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद बैठक स्थगित कर दी गई। ब्लॉक प्रमुख रहमतुल निशा की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। बीडीओ अंजली सरोज ने योजनाओं पर चर्चा कर मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए विस्तृत योजना बनाने की बात शुरू की। क्षेत्र पंचायत सदस्य भूपेंद्र विक्रम सिंह सोनू ने कहाकि क्षेत्र पंचायत द्वारा गठित समितियों में सदस्यों को खुद नहीं पता कि मैं किस समिति का सदस्य हूं।

शालीमार गेटवे मॉल में किड्स कार्निवल का हुआ समापन, बच्चों ने बढ़–चढ़ कर लिया हिस्सा

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। राजधानी का फेवरिट शॉपिंग और एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन शालीमार गेटवे मॉल में आयोजित किड्स कार्निवल का आज समापन हो गया। इस कार्निवाल में काफी संख्या में बच्चों ने हिस्सा लिया। इस कार्निवाल ने गर्मियों में बच्चों के लिए मौसम की तपिश से राहत देते हुए उन्हें कई बेहद मनोरंजक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर उपलब्ध कराया वहीं उनको अपनी क्रिएटिविटी दिखाने का मौका भी दिया। उन्हें यहां विभिन्न प्रकार के खेलों, प्रतियोगिताओं, वर्कशॉप में प्रतिभाग करने के साथ साथ इनाम में कई उपहार जीतने का भी अवसर मिला। कार्निवल के कार्यक्रमों में पहले दिन ही बच्चों को अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर प्यारे मिन्नी और मिकी से मिलने का मौका मिला। इसके अलावा बच्चों ने सनफ्लावर मंडला आर्ट वॉल हैंगिंग वर्कशॉप में भी भाग लेकर मनोरंजक तरीके से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। किड्स कार्निवाल में कई प्रकार की वर्कशॉप भी शामिल रही, जैसे बिना सिले मोजों से कठपुतली बनाने की वर्कशॉप, एक खिलौना हवाई जहाज बनाने की वर्कशॉप और एक रॉक पेंटिंग पार्टी। इस कार्निवाल के दौरान बच्चे जहां अपने पसंदीदा सुपरहीरो, स्पाइडरमैन और कैप्टन अमेरिका से मिले वहीं पेंट–योर–फ्रिज–मैग्नेट वर्कशॉप में भी लिया। शालीमार कॉर्प के डायरेक्टर श्री कुणाल सेठ ने इस आयोजन को लेकर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम शालीमार गेटवे मॉल में किड्स कार्निवल की मेजबानी करने में हमें बहुत आनंद आया।यह बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने और गर्मियों के इस मौसम में अच्छा समय बिताने का एक शानदार अवसर रहा। हम इस मस्ती भरे कार्यक्रम को बच्चों से मिले अपार समर्थन और स्नेह से बहुत खुश हैं। आज इस कार्निवाल का समापन एक संगीतमय कहानी सुनाने के सत्र और कैनवास कार्यशाला पर एक ब्लो पेंटिंग के साथ हुआ।

ऐडवेंन बायोटेक होमियोपैथिक द्वारा संगोष्ठी आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर एडवेंन होमियोपैथिक कंपनी द्वारा नगर के एक होटल में होम्योपैथिक डॉक्टर व डीलर्स की संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें एडवेंन होमियोपैथिक कंपनी ने अपनी संगोष्ठी के माध्यम से अपनी अल्ट्रा मॉडर्न, एडवांस टेक्नोलॉजी व बिना मानवीय स्पर्श प्लांट में दवाइयाँ कैसे निर्मित की जाती हैं विस्तार से बताया।इससे पहले होम्योपैथिक पद्धति के जनक डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कंपनी के सीनियर सेल्स मैनेजर घनश्याम सिंहने गोश्ठी को संबोधित करते हुए बताया कि एडवेन भारत की पहली होम्योपैथिक कंपनी है जिसके पास छ।ठस् (राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला है।कंपनी की प्राथमिकता, शुद्धता, प्रभाविकारिता, गुणवत्ता और सुरक्षा से भरपूर दवाइयों का निर्माण करना और जनता तक पहुंचाना है। एडवेन के अन्य सहयोगी भी इस संगोष्ठी में सम्मिलित हुए और सभी चिकित्सकों और डीलर्स ने कंपनी की तारीफ किया।एडवेन सभी का तहे दिल से आभार व्यक्त करती है। कार्यक्रम में कंपनी के सीनियर सेल्स मैनेजर घनश्याम सिंह एवं हरदेव सिंह सुनील सिंह एवं दिनेश सिंह उपस्थित रहे ।कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ चिकित्सक अशोक अस्थाना होम्योपैथिक एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ रवि श्रीवास्तव डॉक्टर राम नारायण सिंह डॉ अशोक मिश्रा डॉ सुमित सिंह श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव डॉक्टर प्रतीक मिश्रा एवं समस्त होम्योपैथिक के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने गौरीशंकर धाम का किया निरक्षण

श्रावण मास की तैयारियों का लिया जायजा दिया आवश्यक दिशा निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी अनुज कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा संयुक्त रुप से श्रावण मास के प्रथम सोमवार को होने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जनपद में स्थित श्री गौरी शंकर धाम, सुजानगंज का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था व श्रद्धालुओं हेतु किये गये व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा मंदिर पर शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात किए गए पुलिस अधिकारी व कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर के प्रबंधक एवं थानाध्यक्ष सुजानगंज से श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुविधाओ के बारे में भी जानकारी प्राप्त की और पूछा कि श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन में किसी प्रकार की समस्या तो नही आ रही है जिस पर प्रबंधक ने बताया यहा किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही है, और थानाध्यक्ष ने बताया कि मधुपुर पुलिया के पास एक बड़ा गड्ढा है एवं सुजानगंज थाना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज के सामने भी गड्ढा है

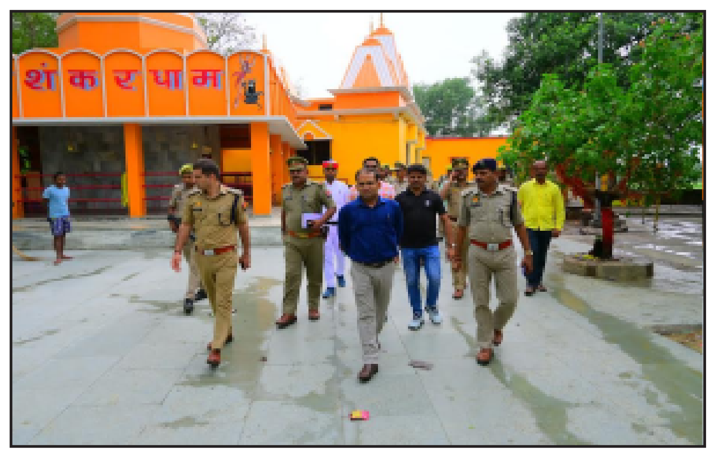

जिस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड विकास गुप्ता को सख्त निर्देश दिया गया कि जल्द से जल्द उक्त सड़क की मरम्मत करायी जाए। जिलाधिकारी ने मंदिर प्रांगण की नियमित साफ–सफाई के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए एवं बिजली, पानी, शौचालय इत्यादि की समस्या न होने पाए।उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को आवागमन एवं दर्शन पूजन में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मंदिर परिसर के चारो तरफ जाकर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।डीएम ने खंड विकास अधिकारी सुजानगंज को निर्देशित किया कि मंदिर के पास स्थित तालाब की साफ सफाई तत्काल कराई जाए एवं मंदिर में दार्शनिकध्श्रद्धालुओ के आवागमन में किसी प्रकार की कोई समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी बदलापुर अशोक कुमार, सहित अन्य अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया रेलवे मेंस की 237 वी कार्यकारिणी परिषद की बैठक हुई संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ । नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मेन की 237वीं कार्यकारिणी परिषद की बैठक दिनांक 6 जुलाई 2023 एवं 7 जुलाई 2023 दो दिवसीय श्री गुमान सिंह अध्यक्ष एन एफ आई आर की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि श्री एम राघवैया महामंत्री एन एफ आई आर ने पुराने पेंशन को लागू करने का जो संकल्प सिकंदराबाद के अधिवेशन 2022 में लिया गया था उसे फिर दोहराया कि सभी कर्मचारियों को पेंशन मिलनी चाहिए इसको लागू कराने के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगाइसके साथ में रेलवे में कार्यकारिणी के रिक्त पदों को भरने नाइट ड्यूटी भत्ता तथा राष्ट्रीय अवकाश भत्ता सभी कर्मचारियों को देने की मांग की । संरक्षा के पदों को सिलेंडर न करने की भी मांग की।परिषद का आयोजन उत्तरी रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री श्री बी सी शर्मा द्वारा आयोजित किया गया जिसमें हजारों हजार लोग सम्मलित हुए।

बैठक के पहले दिन एवं बाइक रैली का आयोजन चारबाग स्टेशन से आलमबाग स्टोर तक की गई जिसमें हजारों मोटरसाइकिल रैली में शामिल होकर कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन की मांग की । बैठक में ट्रैक मेंटेनर कैडर एस एंड टी तथा त्वांइटस मैन की तमाम समस्याओं को जोर–शोर से उठाया गया।मुख्य पदाधिकारियों में श्री बी सी शर्मा महामंत्री यू आर एम यू श्री आर पी राव मंडल अध्यक्ष यू आर एम यू लखनऊ मंडल

श्री अवधेश दुबे मंडल मंत्री लखनऊ मंडल श्री अजय किशोर दुबे सह महामंत्री यू आर एम यू

श्री जगदंबा तिवारी केंद्रीय उपाध्यक्ष यू आर एम यू। श्री अरविंद कुमार सिंह शाखा सचिव।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी,पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी का आगमन कल

कलेक्ट्रेट के काशीराम सामुदायिक भवन में संविधान बचाओ संकल्प सभा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी का आगमन रविवार को 11 बजे कलेक्ट्रेट के काशीराम सामुदायिक भवन में होगा। यहां संविधान बचाओ संकल्प सभा का आयोजन होगा ।जिसमें इनके अलावा पूर्व सांसद राजेश मिश्रा एवं पूर्व विधायक नदीम जावेद मौजूद रहेंगे इस कार्यक्रम में अन्य वरिष्ट नेतागण मौजूद रहेगे। जनपद के पूर्व सांसद,पूर्व विधायक कमेटी के पदाधिकारी जिला शहर ब्लॉक वार्ड के कांग्रेश कमेटी के सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे ।जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए तैयारियों पर भी चर्चा की जाएगी ।ख उसके अलावा संविधान बचाओ संकल्प सभा को संबोधित कर उन्हें संकल्प दिलाई जाएगी । यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव धर्मेंद्र निषाद ने दी है।

सुरेरी पुलिस ने आठ वारंटी को किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सुरेरी थाना अंतर्गत पुलिस क्षेत्र के विभिन्न गॉव से आठ वारण्टियों को गिबरफ्तार कर विधिक कार्यवाही में जूट गई।पुलिस ने कमरूद्दीनपुर गॉव से वकील पुत्र खरभर, गुड्डू पुत्र वकील, भुलई पुत्र विपत, समसुद्दीन पुत्र जोखन व पट्टीजियाराय गॉव से लालधारी पुत्र रूपनारायण, भानपुर से ओमप्रकाश पुत्र मिठाई कनौजिया, इमरती देवी पत्नी ओमप्रकाश, धनवस्तेपुर (सुरेरी) से महँगू पुत्र हीरालाल राजभर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही में जूट गई हैं द्यइस संबंध में थानाध्यक्ष सुरेरी अश्वनी कुमार दुबे ने बताया आठ वारंटी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है द्य गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरिक्षक दिलीप कुमार सिंह, शिवजी यादव, ओमप्रकाश यादव विवेकानंद सिंह, हे० कां० प्रवेश दुवे, हरिशंकर यादव, कां० रमेश यादव, म० कां० प्रिया पटेल, सौम्या मौर्या रहे ।

सावन मेले में दुकानों पर लगायें खाद्य पदार्थो की रेट लिस्ट तुलिका शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार व मंदिर परिसर में लगने वाले खाद्य पदार्थ दुकानों पर शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी तुलिका शर्मा ने जागरूकता अभियान चलाया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी तुलिका शर्मा ने व्यापारियों से कहा कि सावन मेले में बिकने वाली सभी खाद्य पदार्थों की रेट सूची को लिखकर अवश्य लगायें और साथ ही बारिस में खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को ढककर रखें। जिससे बारिस के कारण खाद्य पदार्थ खराब न हो।जिस खाद्य पदार्थ पर मूल्य लिखा है उस सामान को उतने ही मूल्य में बेचें, ना कि उससे अधिक मूल्य में बेचें। ऐसा करने वालों के विरूद्घ कारवाई होगी।किसी भी प्रकार के एक्सपायरी सामान की बिक्री ना करें। मेले में लगने वाली सभी खाद्य पदार्थ की दुकानों जैसे आइसक्रीम, पेठा, नानखटाई, चाट–गोलगप्पे के ढेलें वालों को खाद्य पंजीकरण लगाकर ही मेले में खाद्य सामाग्री बेचने को कहा।जिसका पंजीकरण नही हुआ है उसे जल्द ही बनवाने के निर्देश दिए। चाट–गोलगप्पे वोलों को ढक्कन दार कूड़ेदान रखकर ही बिक्री करने को कहा।खाद्य पदार्थों में रंग का प्रयोग कम से कम करने को कहा। कोई भी खाद्य पदार्थ अखबार में ना देने का निर्देश दिया। अजय मोदनवाल, सुमित, दिलीप कुमार, अमित गिरि, मनोज, शिवम् इत्यादि मेले में लगे दुकानों का निरीक्षण कर साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा।

एस0 के0 डी0 एकेडमी के कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों ने गो ग्रीन एवं पौधारोपण एक्टिविटी करके सैटरडे एक्टिविटी डे मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0 के0 डी0 एकेडमी के कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के बच्चे प्रत्येक शनिवार को एक्टिविटी का प्रदर्षन करते हैं जिसको करने से बच्चों को रोजमर्रा की पढ़ाई से हटकर कुछ नया करने का अवसर मिलता है और उनका उतसाह वर्धन होता है। आज भी कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के बच्चों

ने गो ग्रीन व प्लान्टेशन एक्टिविटी की। जिसमें बच्चों ने 'प्रकृति'विषय पर चित्रकला और बेकार चीजों का इस्तेमाल करके नये क्राफ्ट की नई वस्तुएँ बनाई। एव उनसे सम्बन्धित कहानी बनाकर सुनाई। फूलों व पौधों की पेन्टिंग बनाकर व पौधारोपण करके पूरा वातावरण हरीतिमा युक्त कर दिया।

इस अवसर पर संस्था के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने बच्चों के प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह से एक्टिविटी करवाते रहने से बच्चों का बेहतर विकास होता है एवं सोचने की क्षमता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष हम जुलाई माह में प्लान्टेशन माह मनाते हैं इसमें हमारा प्रयास रहता है कि अपने आसपास के क्षेत्र में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करायें। हम मेडिसिनल पौधे लगवाने के साथ साथ अपने अभिभावकों को वितरित भी करते हैं और हमारी पृथ्वी को हरा भरा बनाने का संकल्प है एक वृक्षारोपण एक व्यक्ति द्वारा हो।

लक्ष्मी कानपुर देहात की नई सीडीओ, चार आईएएस की जिम्मेदारी में बदलाव

संवाददाता

लखनऊ। शासन ने चार आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। एक अधिकारी से अतिरिक्त प्रभार हटाया गया है। कानपुर देहात की मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पांडेय को हटा दिया गया है। शासन ने चार आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। एक अधिकारी से अतिरिक्त प्रभार हटाया गया है।

वन महोत्सव पर पौधों की बारात निकालकर किया जागरुक

अयोध्या। जिले में डीएफओ सुधांशु पांडेय के निर्देशन में बीकापुर नगर पंचायत कार्यालय से बैंड बाजों के साथ निकाली गई पौधों की बारात, वन महोत्सव में लोगों को पौधारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने के लिए वन विभाग बीकापुर द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार पौधों की बारात के रूप में जागरूकता रैली निकाली गई।इसमें वन अधिकारी, कर्मचारी तथा कालेज के बच्चों ने हिस्सा लिया।विद्यालय के बच्चों के द्वारा हाथ में एक–एक पौधा तथा वन विभाग के कर्मचारियों ने टोकरी में हर तरह के पौधे रखकर नगर पंचायत कार्यालय से बैंड बाजे के साथ पौधों की बारात निकाली गई. बारात में आम को दूल्हा के रुप मे सजाया गया था।वन अधिकारी एस.पी.सिंह ने लोगों से कहा कि– पौधों के प्रति बच्चों एवं आम नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है. वृक्षारोपण अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले एवं पौधों को लगाना ही नहीं बल्कि उनकी देख–रेख अवश्य करें. वृक्षारोपण के लिए बरसात का मौसम सबसे अच्छा समय है, इस समय हम पौधों की अच्छी तरह से देखरेख कर सकते हैं. पेड़ हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हमारे लिए कई तरीके से उपयोगी भी है।पौधरोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिवस संकल्प, अनुष्ठान और प्रतिज्ञा का है। हम सबको वृक्षारोपण क्यों करना चाहिए, इसके लिए उन्होंने वेद पुराणों पर चर्चा की, कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्र समाना।श्री सिंह ने कहा कि वृक्षों का महत्व समझने के लिए पिछले डेढ़ वर्ष पूर्व कोरोना काल की स्थिति को जानना होगा। कहा कि वृक्षारोपण से मानव ही नहीं हर प्राणियों का जीवन सुरक्षित है। श्री सिंह ने संकल्प लेकर उपस्थित जनों का आवाहन किया कि वृक्ष अवश्य लगाएं।कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख दिनेश वर्मा ने वृक्षों के महत्व पर चर्चा की और इसे नासिर धारा का आभूषण बताया बल्कि मानव जीवन के लिए संजीवनी करार दिया।समारोह में नगर पंचायत के अध्यक्ष राकेश पांडेय राना ने 1 से 7 जुलाई तक चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के आवाहन पर चर्चा की और इसे जन सरोकारों से छोड़कर अभियान चलाने का आवाहन किया।इस मौके पर महेश कुमार सिंह, प्रभाकर सिंह, पवन चौरसिया, वनाधिकारी एस.पी. सिंह, फॉरेस्ट गार्ड बबलू प्रसाद, अखंड प्रताप सिंह, फॉरेस्टर अशोक यादव, समाजसेवी बृजभूषण पांडेय राजन, मनोज शर्मा , राजेश पांडे गुड्डू राणा, समाजसेवी विवेक प्रताप सिंह ब्बंटीष उत्कर्ष पांडे सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

बाढ़ परियोजनाओं का मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने लिया जायजा, बोले– इधर बाढ़ ने 100वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ा फिर भी नहीं हुई जनहानि, पहले परियोजनाएं बनती और बाढ़ में बह जाती थी

हरदोई। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने बाढ़ की परियोजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले परियोजनाएं बनती थी वह बाढ़ आते ही बह जाती थी, लेकिन जब से राज्य में योगी सरकार आई है तब से सभी परियोजनाएं पूर्ण हो जाती है। जिसके कारण गांव वाले और गांव के लोग सुरक्षित हो जाते है और जनहानि नहीं होती है।हरदोई पहुंचे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने बाढ़ की परियोजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 17से योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद सभी परियोजनाएं पूर्ण हो रही है। 17से पहले बाढ़ आने पर सभी परियोजनाएं बह जाती थी। आज सम्पूर्ण राज्य की परियोजनाओं में 5–6साल से इस प्रकार से काम हुआ है, 70से लेकर 100प्रतिशत राज्य की सभी परियोजनाएं पूर्ण हो जाती है। जिसके कारण गांव वाले और गांव के लोग सुरक्षित हो जाते है।

इसलिए मैं कह सकता हूं कि इधर बाढ़ ने पिछले 100वर्षों का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा है। यानि 100साल से खतरनाक बाढ़ आया फिर भी हम न्यूनतम नुकसान किसान का होने दिए और जनहानि तो बिल्कुल ही नहीं होने दिया। अब मैं सोच रहा हूं कि धीरे धीरे जनपद के संवेदनशील असंवेदनशील जनपद बाढ़ के चपेट में आते है, उन जनपदों को बाढ़ से मुक्त करूंगा। तो हमे लगता है जिस प्रकार काम चला रहा है अच्छा काम चल रहा है। लोकल में भी किसानों का सहयोग मिलता है और ये सभी मिलकर काम करते है। एक परियोजना के लिए गांव के लोगों ने कहा है कि सर वो बन जाएगा तो अच्छा रहेगा, मैंने कहा उस परियोजना को भी देख लो। इमरजेंसी समय में देखिए अगली बार में एक्सईएन से बोला हूं कि इसको बजट में लाकर कैसे पूरा करोगे इसकी चिंता करो। इस बार इमरजेंसी में वह काम करना हर हाल में है, और मैं विश्वास दिलाता हूं कि राज्य के अंदर लोगों को किसी प्रकार का बाढ़ से हानि नहीं पहुंचने दूंगा। इसके साथ ही मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह अग्रवाल धर्मशाला में एक संस्था के कार्यक्रम सहित संबंधित अधिकारियों के साथ विकास भवन में बैठक करेंगे।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर किए जा रहे टीकाकरण का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

'निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गये कर्मचारियों का वेतन रोकने तथा सेवा समाप्ति का दिया निर्देश'

'उमाकान्त लाला , ब्यूरो

शाहजहांपुर । जिलाधिकारी ने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लोधीपुर एवं सरायकाईंया स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर गर्भवती महिलाओं तथा 0 से 7 साल के बच्चों के किए जा रहे वैक्सीनेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीएचसी पर कार्यरत कार्मिकों की उपस्थिति तथा उनके कार्यों के विषय में भी जानकारी ली। साथ ही जिलाधिकारी ने जनपद में चल रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान अंतर्गत साफ सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। लोधीपुर में साफ सफाई व्यवस्था ठीक न पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये नगर स्वास्थ्य अधिकारी मनोज मिश्रा , जोनल अधिकारी श्रीमती रश्मि भारती एवं सफाई निरीक्षक पवन कुमार से जवाब तलब करने के निर्देश दिये।

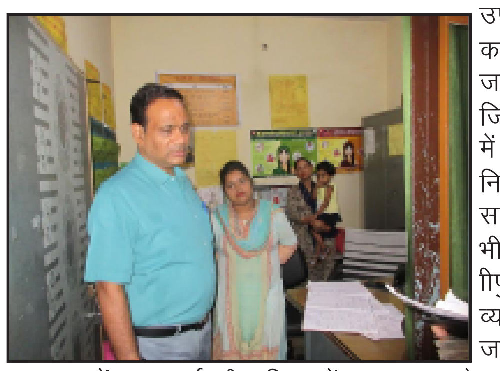

शासन के निर्देशानुसार शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मंगलवार से रविवार तक टीककरण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने नगर स्थित पीएचसी लोधीपुर एवं पीएचसी सरायकाईंया में किये जा रहे टीकाकरण का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कम संख्या में वैक्सीनेशन होने पर जिलाधिकारी ने मोबिलाइजेशन करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि आशा द्वारा डोर टू डोर सम्पर्क कर महिलाओं को टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाये तथा टीकाकरण से होने वाले लाभ के विषय में भी उन्हे अवगत कराया जाये। पीएचसी लोधीपुर में मेडिकल ऑफिसर डा0 आलोक कुमार सिंह सहित अन्य कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये मेडिकल ऑफिसर डा0 आलोक कुमार सिंह का वेतन रोकने के साथ अन्य अनुपस्थित कर्मचारियों से भी जवाब तलब करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि कार्यवाही करने के उपरान्त एटीआर भी प्रस्तुत करें।

पीएचसी सरायकाईंया के निरीक्षण के दौरान भी मेडिकल ऑफिसर सहित अन्य कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। वैक्सिनेशन की प्रगति भी ठीक नही पायी गयी। जिस हेतु जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये मेडिकल ऑफिसर डा0 आदित्य गुप्ता का वेतन रोकते हुये जवाब तलब करने के निर्देश दिये तथा आशा द्वारा निरन्तर 02 महिने से अनुपस्थित होने की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने आशा की सेवा समाप्त करने का मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी दशा में लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। तथा कोई भी अपने कार्यो की प्रति लापरवाही न बरतते हुए कार्यदायित्वों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करें अन्यथा की स्थिति के कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में 12 वर्षीय बालिका की मौत

अयोध्या ।थाना इनायतनगर नगर पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज अन्तर्गत मलेथू बुजुर्ग गांव का मामला शुक्रवार दिन मे समय लगभग 12 का है सूत्रों की माने तो घर से बाहर मृत अवस्था मे राम पियारे निषाद की बहू बेबी पत्नी स्वं धन्नजय निषाद व एक युवक जो दो वर्ष पूर्व बेबी से शादी किया हुवा व्यक्ति नाम आज्ञात दोनो आनन फानन में रोते हुए मृतक लड़की को लेकर घर से निकलते हुए बाहर बगल दुकान पर बैठे लोगो को बताया की मेरी पुत्री प्रियंका निषाद ने घर मे फांसी लगा लिया था हम लोग पहुंचकर उसे फांसी के फंदे से उतारते हुए सी एच सी हैरिंग्टनगंज इलाज के लिए ले जा रहे है सी एच सी हैरिंग्टनगंज पहुचते ही डाक्टर ने लड़की को मृत घोषित कर दिया यह पूरा खेल केवल आधा घंटा का है लगभग दो वर्ष पूर्व जहां पर आज प्रियंका लडकी जिस घर के छप्पर मे फांसी लगायी थी ठीक इसी तरह इसकी बडी बहन प्रिया उम्र 12 वर्ष के साथ भी हुआ था वह भी संदिग्ध हालात मे फांसी से लटकी मरी मिली थी कही यह मौत का खेल जमीन हडपने के चक्कर मे तो नही खेला जा रहा है यह एक चिंतनीय और गंभीर जांच का विषय है बताते चलें की दरअसल रामप्यारे निषाद के दो लड़के हैं छोटे लड़के की मृत्यु कुछ वर्ष पूर्व हो चुकी है मृत्यु के कुछ दिन बाद रामप्यारे निषाद ने बेटे के हिस्से की जमीन अपने दोनों पोती प्रिया और प्रियंका के नाम कर दिया था जो अब दोनो पोतियां इस दुनिया मे नही रही पहली की मौत फांसी के फंदे मे संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी तो आज दूसरी की भी संदिग्ध परिस्थितियों मे हुई है पहले के मामले मे यदि सही जांच और कार्यवाही हुई होती तो आज दूसरी लडकी की मौत शायद ही न होती सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतका के बाबा राम पियारे निषाद के द्वारा चौकी हैरिंग्टनगंज मे प्रार्थना पत्र देते हुए कार्यवाही की मांग की है बात चीत के दौरान चौकी प्रभारी हैरिंग्टनगंज रजनीश पान्डेय ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है पी एम रिपोर्ट के बाद कार्यवाही की जायेगी।

ब्लाक पंचायत भवन के सामने मासिक पंचायत कर भाकियू प्रदेश सचिव ने जे बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तारुन ब्लाक पंचायत भवन के सामने शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत आयोजित की गयी।पंचायत में पहुँचे ज्वाइंट बीडीओ उमेश कुमार कौशल संग एडीओ पंचायत उमाशंकर सिंह को संगठन के प्रदेश सचिव फरीद अहमद ने किसान समस्याओं से सम्बंधित 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा।मांग पत्र में छुट्टा गोबंश पकड़वाये जाने संगठन कार्यकर्ता रामजीत पांडे का बंद रास्ता खुलवाया जाने, केसरूवा बुजुर्ग के जहीर पुत्र उस्मान के घर से राम गणेश के घर तक खड़ंजा लगवाये जाने, पुरुषोत्तमपुर में नाई समाज के मोहल्ले में खड़ंजा लगवाये जाने, पुरुषोत्तपुर स्थित बाबा तालाब गाटा संख्या 142 रकबा 366 हेक्टेयर बिना खुदाई किये पेमेंट करा लेने के मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई किये जाने सम्बन्धी माँग शामिल थी।किसान नेताओ ने समस्याओं का समय से निस्तारण न होने पर अगली पंचायत में ब्लॉक का घेराव कर आंदोलन किये जाने की चेतावनी दी हैं। एडीओ पंचायत ने किसान समस्याओं का निस्तारण एक हफ्ते में करने का आश्वासन किसान नेताओ को दिया है। पंचायत की अध्यक्षता शिवराम शर्मा तथा संचालन जिला सचिव राजू बाबा ने किया।पंचायत में जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम अजय यादव रामजीत पांडे अमरनाथ सुशील पांडे बद्री पांडे शारदा राम उजागिर प्रीति पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस पर प्रभारी निरीक्षक ने शालीनता पूर्वक सुनी फरियाद

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

पाली–(हरदोई)। महीने के दूसरे शनिवार को आयोजित पाली थाने पहुंचे क्षेत्र के लोगों की फरियाद को शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं। शेष 08 शिकायतों के निस्तारण के लिये वहां मौजूद राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को दिया गया। प्रभारी

प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला ने सुनी और शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित पुलिस कर्मियों व राजस्व कर्मियों को निर्देशित किया।

थाना समाधान दिवस का आयोजन प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। जिसमें कुल 09 मामले आये,जिनमें से 01 मामले का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में से सभी निरीक्षक ने कहा कि समाधान दिवस का आयोजन आमजन की समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए ही किया जाता है।अधिक से अधिक पीड़ित लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिए। राजस्व और पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य स्थापित कर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस दौरान कानूनगो प्रमोद कुमार पाण्डेय,लेखपाल पुलिस कर्मियों के अलावा फरियादी मौजूद रहे।

अयोध्या नगरी को जल्द ही मिलेगी एक और सौगात

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालु अब सरयू नदी में ले सकेंगे क्रूज का आनंद, सरयू के किनारे गुप्तार घाट पर सोलर रामायण क्रूज का निर्माण शुरू, कबर्ड शेड में हो रहा क्रूज का निर्माण, केरल की नवाल्ट ओसियन इलेक्ट्रीफाइड कंपनी कर रही है निर्माण, वाराणसी की अलकनंदा क्रूज लाइन करेगी संचालन, गुप्तार घाट से नया घाट तक लगभग 10 किलोमीटर चलेगा लग्जरी सोलर रामायण क्रूज, लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है सोलर रामायण क्रूज, दीपोत्सव तक सरयू में सोलर रामायण क्रूज चलाने की तैयारी।

गालीबाज पंचायत सचिव सस्पेंड

सुलतानपुर। ग्राम प्रधान को जाति सूचक गाली देने के आरोपी पंचायत सचिव को डीडीओ ने सस्पेंड कर दिया। मोतिगरपुर ब्लॉक में तैनात ग्राम विकास अधिकारी सुनील कुमार ने अपने क्लस्टर की ग्राम पंचायत डडवा के प्रधान को फोन पर जाति सूचक गालियां देते हुए अन्य प्रधानों पर भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया था।जिनका ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।ग्राम प्रधानों की शिकायत व वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते डीडीओ अजय कुमार पांडेय ने सचिव सुनील कुमार को सस्पेंड कर प्रकरण की जांच बीडीओ कूरेभार को सौंपी है।

25 लाभार्थियों को मिली आवास की चाबी, खिले चेहरे

सुल्तानपुर– विकास खंड बल्दीराय सभागार में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि हरिभान सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के 25 लाभार्थियों को आशियाने की चाभी सौंपी गई। आवास की चाभी पाकर खुशी से लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे।इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हैं। इस योजना के अंतर्गत सभी गरीब, पिछड़े, उपेक्षित व अब तक आवास के लाभ से वंचित लोगों को पात्रता की श्रेणी में रखा गया है।खंड विकास अधिकारी सत्य नारायण सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव के प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक सत्य नारायण गौतम, ठेकेदार रामलाल वर्मा,प्रधान प्रतिनिधि देवी प्रसाद यादव,ग्राम पंचायत अधिकारी चंदन गुप्ता,प्रियंका साहू,घनश्याम यादव,,सुनील यादव, सतेंद्र सिंह, सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) शिवकुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी राहुल यादव,लवकुश,वेद प्रकाश यादव, हॉसिला प्रसाद आदि मौजूद रहे।

जामुन के पेड़ से फंदे पर लटका मिला युवक का शव

सुलतानपुर। जामुन के पेड़ से लटका युवक का शव, मचा हड़कंप। मामला गोसाईगंज थाना क्षेत्र के जोली मीरगंज से जुड़ा है जहां आज सुबह घर के पास बाग में अतुल कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी जोली मीरगंज का शव जामुन के पेड़ पर लटका मिला। पेड़ पर लटकते हुए शव को देख ग्रामीणों में दहशत का माहौल फैल गया। ग्रामीणों द्वारा इस घटना की जानकारी मृतक के पिता ओम प्रकाश दी गई तो घर के इकलौते चिराग के बुझ जाने से पिता के होश उड़ गए। आनन–फानन में स्थानीय लोगों द्वारा इस घटना की जानकारी गोसाईगंज पुलिस को दी गई। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कुएं में गिरा बेजुबान छुट्टा साँड बाहर निकालने को ग्रामीण परेशान मांगी फायर ब्रिगेड से मदद

अयोध्या। तारुन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेतवारी चतुरपुर मजरे मिश्र पूरा के पास पशु बाजार मालिक बब्लू मिश्रा के खेत के किनारे स्थित झाड़ियों के बीच पुराने कुएं में गिरा बेजुबान साँड भूखा प्यासा कई दिनों से तड़प रहा है।शौच को निकले ग्रामीणों ने सुबह कुएं में साँड के तड़फड़ाने की आवाज सुनी और उसे बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन कामयाब नही हुये।गांव के बब्लू शुक्ला,रामहेत वर्मा, अखण्ड उर्फ कुत्तु पाठक,सलमान सतीश वर्मा सहित सभी लोगो ने साँड को बाहर निकालने को फायर ब्रिगेड से मदत मांगी हैं।

एक परववाड़े बाद काम पर लौटे मिल्कीपुर के वकील

अयोध्या।एसडीएम मिल्कीपुर एवं उनके पेशकार की कार्यशैली से नाराज अधिवक्ताओं की कलम बंद हड़ताल मांगे पूरी होने के बाद आखिरकार 15वें दिन समाप्त हो गई है। मिल्कीपुर बार एसोसिएशन की बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला ने बताया गया कि एसडीएम अमित कुमार जायसवाल एवं एसडीएम न्यायिक डीपी सिंह सहित तहसीलदार हेमंत गुप्ता का स्थानांतरण हो गया है। साथ ही एसडीएम के पेशकार रामप्रकाश का भी कार्यालय पटल बदल दिया गया है। इसके बाद उन्होंने हड़ताल समाप्त किए जाने की घोषणा कर दी।बताते चलें कि पिछले 23 जून से मिल्कीपुर के अधिवक्ताओं ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला के नेतृत्व में एसडीएम अमित कुमार जायसवाल एवं उनके पेशकार राम प्रकाश के खिलाफ तहसील में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया था। तब से लगातार धरना प्रदर्शन चल रहा था। प्रतिदिन वकीलों का हुजूम तहसील परिसर के सभी कार्यालयों के पटल पर प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए एसडीएम व उनके पेशकार के ट्रांसफर की मांग कर रहा था यही नहीं जब वकीलों का हुजूम तहसील परिसर में प्रदर्शन करने निकलता था तो तहसील प्रशासन के हाथ पांव फूल जाते थे। तहसील कर्मी अपने अपने पटल पर बैठ कर कुशलता की दुहाई मांगते थे। हालांकि वकीलों का प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहता था। आखिरकार एसडीएम अमित जायसवाल का स्थानांतरण हो गया और उनके पेशकार रामप्रकाश का पटल बदल दिया गया। जिसके बाद शुक्रवार को बार एसोसिएशन मिल्कीपुर ने बैठक कर कलम बंद हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया। इस मौके पर बार के अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला के अलावा खुशीराम पांडे, अशोक कुमार श्रीवास्तव, शिवपूजन पांडे, अरविंद पाण्डेय, अमरजीत सिंह, अभय शंकर , प्रवेश कुमार शुक्ला, एमपी सिंह, अमित मिश्रा, संदीप शुक्ला, राज किशोर पांडे, बृजेश पांडे, राजेंद्र चौरसिया, देवेंद्र प्रताप सिंह, विनय सिंह सहित दर्जनों अधिवक्ताओं ने हड़ताल समाप्त कर होने पर खुशी जताई है।

अयोध्या हाईवे की 450 करोड़ से होगी मरम्मत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या हाईवे की मरम्मत और सुंदरीकरण के लिए एनएचएआई ने 450 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। बजट को मंजूरी मिलते ही टूटे डिवाइडर ठीक किए जाएंगे और सड़क पर डामर की मजबूत मोटी सतह बिछाई जाएगी।अयोध्या रोड कमता, चिनहट, मटियारी चौराहा, तिवारीगंज सहित कई जगह पर काफी जर्जर है, जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। इस पूरे हाईवे पर ट्रैफिक का हर तरफ से आना–जाना है। इसमें पैदल चलने वाले लोग भी शामिल है, जो आसपास के गांवों और कस्बों से आते हैं। इसलिए यहां सर्विस लेन को नालों के साथ बनाने का फैसला किया गया है।गौरतलब है कि एनएचएआई ने पहले अयोध्या हाईवे को चार से छह लेन बनाने का प्रस्ताव तैयार किया था।लेकिन बजट को मंजूरी नहीं मिली।इसके बाद मरम्मत का प्रस्ताव तैयार किया।

कुंभकरण की नींद सो रहे हैं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के और बृजेश पाठक उप मुख्यमंत्री के भी दावे फेल नजर आ रहे हैं अधिकारी लोग नहीं मान रहे कोई बात खबर भी चलने के बाद न जिलाधिकारी संज्ञान में लिया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभी तक नहीं लिया संज्ञान ट्रांसफर होने के बाद 2022 में अभी तक वैशाली गुप्ता एक ही जगह पर कैसे तैनात आशा और आशा संगिनी का पेमेंट नहीं दिया गया अभी तक सूत्रों की माने तो पत्रकारों का फोन उठाने से करती है आनाकानी आखिर क्यों किसी राजनेता का हाथ है या अन्य कोई कर्मचारी अधिकारी समय से पैसा ना भेजने पर आशा और आशा संगिनी को काफी मुसीबतों का सामना झेलना पड़ रहा है वैशाली गुप्ता को नहीं है कोई डर ट्रांसफर होने के बाद भी कैसे रूके हैं अपने पद पर ट्रांसफर 2022 में हो चुका था 2008 से अभी तक अपने पद पर तैनात आशा और आशा संगिनी इन्हें भी कई बार कंप्लेंट की हैं लेकिन वैशाली गुप्ता कहते हैं मुझे कोई नहीं फर्क पड़ेगा मैं मुझे अपने पद से हटा नहीं सकता है कोई हटा नहीं सकता दबंग महिला आशा और आशा संगिनी द्वारा शिकायत भी की गई।

आमोद ने अभियंता बन बढ़ाया क्षेत्र का मान

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) सोहावल क्षेत्र के युवाओं यह साबित कर दिया की प्रतिभा संसाधनों का मोहताज नही होती लगन और परिश्रम के साथ मेहनत किया जाए तो किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है । इसी तहसील क्षेत्र के गांव करेरु के मजरे गंजेरिया निवासी अधिवक्ता राम यज्ञ के पुत्र आमोद तिवारी ने कर दिखाया अपनी लगन और मेहनत से पहले ही प्रयास में अभियंता बन कर क्षेत्र और परिवार का मान बढ़ाया है। ग्रामीण परिवेश में रहकर माध्यमिक शिक्षा उच्च श्रेणी में ड्योढ़ी बाजार के श्री राम वल्लभा भगवंत विद्यापीठ इंटर कालेज से प्राप्त किया। इन्टर के बाद सिविल ट्रेड में पॉलिटेक्निक गोंडा से कर तैयारी के लिए इलाहाबाद का रुख करने वाले आमोद ने तीन बार एसएससी क्वालीफाई किया लेकिन सफलता 2016 की परीक्षा से बतौर जेई आवास विकास के रूप में गत 3 जुलाई को आये परिणाम से मिली जिसे पहली बार मे उत्तीर्ण किया और परिवार व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय आमोद ने गृहणी माता उर्मिला वअधिवक्ता पिता राम यज्ञ तिवारी को दिया है जिन्होंने हर कदम पर सब कुछ पीछे छोड़ कर बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता दी आज परिवार में खुशी की लहर है।

रामू की हत्या में पुलिस की भूमिका को लेकर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

अयोध्या।जिले के इनायत नगर थाने के अहरौली सलोनी में मंदिर की यज्ञशाला में युवक का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने के मामले में डॉक्टरों के पैनल द्वारा युवक के शव का पोस्टमार्टम हो जाने के बावजूद भी इनायत नगर पुलिस युवक की मौत का कारण बता पाने में पूरी तरह से कतरा रही है। हालांकि युवक के शव का अंतिम संस्कार परिजनों ने भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में कर दिया। घटना के बाद अब गांव में शांतिपूर्ण माहौल के बीच तनाव घुला हुआ है। घटना के बाबत लोगों में जबरदस्त गुस्सा है। लोगों का कहना है कि पुलिस की लापरवाही ने एक हंसते खेलते परिवार में मातम फैला दिया।आसपास के गांव में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है। हालांकि प्रशासन ने युवक के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया है।बताते चलें कि जमुआ गांव के युवक रामू उर्फ शिवम (28) का शव पड़ोसी गांव अहरौली सलोनी के रामबाग स्थित निर्माणाधीन मंदिर के पास यज्ञशाला के हवन कुंड में संदिग्ध अवस्था में गुरुवार को मिला था। युवक की मौत को ग्रामीणों ने हत्या करार दिया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी। यहां तक कि घटना के एक दिन पहले पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए मृतक शिवम के भाई सत्यम को मौके पर छोड़ने पहुंचे इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक को उग्र ग्रामीणों ने दौड़ा लिया था। काफी जद्दोजहद और मान मनौव्वल के बाद ग्रामीण शांत हो सके थे। इनायत नगर पुलिस ने मामले में पीड़ित पिता योगेंद्र नाथ त्रिपाठी की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ जाने के बावजूद भी इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक सहित पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत का कारण बताने से पूरी तरह से कतरा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक नीरज सिंह ने बताया कि अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पढ़ने का मौका नहीं मिल सका है। वहीं दूसरी ओर युवक की हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न किए जाने के चलते गांव में स्थानीय पुलिस प्रशासन के प्रति ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। युवक के परिजनों का कहना है कि शिवम की हत्या में इनायत नगर थाने की पुलिस की भूमिका पूरी तरह से संदिग्ध है। युवक के परिजनों ने बताया कि इनायत नगर पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और न्याय मिलने की उम्मीद अब क्षीण होती नजर आ रही है। हालांकि इनायत नगर थाने की पुलिस गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस के जवान गश्त कर रहे हैं।

सरयू नदी के पूराने पुल से एक व्यक्ति ने नदी में लगाई छलांग

अयोध्या।सरयू नदी के पूराने पुल से एक व्यक्ति ने नदी में लगाई छलांग, सरयू नदी के पुराने पुल से एक व्यक्ति ने लगाई नदी में छलांग। उसने पारिवारिक कलह के कारण लगाई छलांग। नाविक व जल पुलिस ने रेस्क्यू करके उसको बचाया। नदी में छलांग लगाने वाले का नाम राज कुमार कोरी 45 वर्ष पुत्र लालता प्रसाद ग्राम पक्षिमाना थाना हैदरगंज जिला अयोध्या है। उसको बचाने में जल पुलिस के आरक्षी सचिन पाल, सिपाही कमरुद्दीन खान, सिपाही अजय कुमार और नाविक कुलदीप माझी का अहम रोल रहा। पुलिस द्वारा उसके परिजनों को बुलाकर उसे सुपुर्द किया गया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।